राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 20 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-263 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली में प्रदूषण हाई.............डिसीजन सपोर्ट सिस्टम पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली दिल्ली के प्रदूषण में प्रदूषकों की हिस्सेदारी जानने का इकलौता जरिया है, आइआइटीएम पुणे का डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) है। लेकिन एक्यूआई आंकड़ों के बाद अब इस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आलम यह है कि डीएसएस पर पूर्वानुमान तक सही साबित नहीं हो रहे हैं। बीते साल भी सिस्टम पर विवाद था। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) इसके पूरी तरह से अपग्रेड नहीं होने तक इसके डेटा को मानने से इंकार किया था। हाल के दिनों में डीएसएस पूर्वानुमान में दिल्ली में पराली प्रदूषण की हिस्सेदारी 25 से 30 प्रतिशत दिखाई है। जबकि हकीकत में महज एक ही दिन पराली प्रदूषण 20 प्रतिशत से ऊपर गया है। 12 नवंबर को पराली प्रदूषण 22.47 प्रतिशत रहा था। जबकि छह नवंबर को पूर्वानुमान हुआ था कि पराली प्रदूषण 38 प्रतिशत, 8 नवंबर को 25 और 9 नवंबर को 31 प्रतिशत के आसपास रहना था। लेकिन इन सभी दिन पराली की प्रदूषण में हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से भी कम रही। डीएसएस केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन काम करता है और इस सिस्टम का संचालन आइआइटीएम पुणे द्वारा किया जाता है। अधिकारी के अनुसार इस साल पराली जलाने के पैटर्न में पिछले साल की तुलना में काफी बदलाव दिखा है। इसकारण सिस्टम के माडल प्रोजक्शन में गड़बड़ी आ रही है। अधिकारी के अनुसार पराली से होने वाले प्रदूषण का पूर्वानुमान उस दिन दोपहर में सेटेलाइट से मिले पराली जलाने के आंकड़ों पर निर्भर करता है।

अगस्त 2027 में दौड़ेगी पहली बुलेट ट्रेन, दो घंट में तय करेगी 500 किमी का सफर

अहमदाबाद दुनिया के विकसित देशों में बुलेट ट्रेन दौड़ रही हैं। भारत जैसे तेजी से विकास की ओर दौड़ रहे देश में भी पहली बुलेट ट्रेन जल्द दौड़ने को तैयार है। इस मामले की जानकारी देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत की पहली हाई स्पीड बुलेट ट्रेन अगस्त 2027 में दौड़ेगी। इस दौरान भारत की पहली बुलेट ट्रेन गुजरात के सूरत से लेकर वलसाड़ तक के बीच 100 किलोमीटर का सफर तय करेगी। बता दें केंद्र में बीजेपी की नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का ऐलान किया था। अब धीरे-धीरे यह योजना अपने अंजाम की तरफ पहुंच रही है। रेल भवन में अपने संबोधन में रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है। वैष्णव ने बताया कि यह रूट पूरे 508 किलोमीटर का है, जिसे 2029 तक पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा। इस रूट के तैयार होने के बाद अहमदाबाद से मुंबई पहुंचने में मात्रा 1 घंटा 58 मिनट का समय लगेगा। बुलेट ट्रेन को लेकर जानकारी देते हुए वैष्णव ने बताया कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेगी। इस दौरान अहमदाबाद से मुंबई के बीच 4 स्टेशनों पर स्टॉपेज के बावजूद 508 किलोमीटर का सफर 1 घंटा, 58 मिनट में पूरा हो जाएगा। इस दौरान जब ये ट्रेन 12 स्टेशनों पर रुकेगी तो यात्रा पूरी होने में कुल 2 घंटा 17 मिनट लगेगा। बुलेट ट्रेन की जानकारी देने के दौरान जब अश्विनी वैष्णव से पूछा गया कि इस रूट पर जापान की शिंकानसेन ट्रेन चलेगी या देश में बनी हाई स्पीड ट्रेन चलेगी, उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया। वैष्णव ने संकेत दिया कि भारतीय परिस्थितियों में शिंकानसेन मॉडल ही सबसे उपयुक्त माना जा रहा है।

ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट, 2021 रद्द, केंद्र पर नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाकर ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट, 2021 को रद्द कर दिया। चीफ जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि यह कानून सेपरेशन ऑफ पावर और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र पर भी नाराजगी जताकर कहा कि केंद्र सरकार ने ट्रिब्यूनल नियुक्तियों को लेकर पहले दिए गए कोर्ट के निर्देशों को लागू नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने केंद्र सरकार द्वारा उसी तरह के प्रावधान दोबारा लाने पर आपत्ति जाहिर की, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका था। कोर्ट ने कहा कि यह एक्ट बिना किसी कमी को दूर किए विधायी ओवर रूलिंग जैसा कदम है, जो स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि जब तक संसद नया कानून नहीं लाती, तब तक मद्रास बार एसोसिएशन केस के पिछले फैसलों में दिए गए निर्देश ही लागू रहने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 4 महीने के भीतर राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल आयोग बनाने का निर्देश भी दिया।

पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की

9 करोड़ किसानों के खाते में ₹18000 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर; नेचुरल फार्मिंग पर जोर दिया

नई दिल्ली

पीएम मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी की। उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर से देशभर के करीब 9 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में 18000 करोड़ रुपए से ज्यादा ट्रांसफर किए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि इस योजना से देश के छोटे किसानों के खाते में अब तक 4 लाख करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं। किसानों को 10 लाख करोड़ रुपए की मदद भी दी गई है।

उन्होंने नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने की बात कही। मोदी ने कहा कि नेचुरल फार्मिंग से हमारा एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट 2 गुना हुआ है।

मोदी ने कहा कि जब मैं मंच पर आया तो काफी किसान गमछा घुमा रहे थे, मुझे लगा बिहार की हवा यहां मेरे आने से पहले पहुंच गई है। किसान सम्मान निधि योजना के तहत छोटे किसानों को एक साल में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें (कुल 6000 रुपए) दी जाती हैं। यह राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है।पीएम बोले- नेचुरल फार्मिंग मेरे दिल के करीब

मोदी ने कहा कि कोयंबटूर का टेक्सटाइल सेक्टर देश की इकोनॉमी में बहुत बड़ा कॉन्ट्रिब्यूटर है। नेचुरल फार्मिंग मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं तमिलनाडु के सभी किसानों को शुभकामनाएं देता हूं। कोई मैकेनिकल इंजीनियरिंग और पीएचडी करके खेती कर रहा है।

कोई नासा में काम करते हुए खेती कर रहा है और अन्य किसानों को ट्रेंड कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साल पहले सरकार ने नेचुरल किसान और नेचुरल फार्मिंग की शुरुआत की, जिससे कई किसान जुड़ चुके हैं। तमिलनाडु में ही 35 हजार हेक्टेयर पर नेचुरल फार्मिंग हो रही है। पीएम ने कहा कि कर्नाटक और केरल में मल्टीलेयर फार्मिंग हो रही है। एक साथ नारियल, मिर्ची और अन्य फसलें उगाई जा रही हैं। कुछ राज्यों को पहले ही मिल चुकी 21 केंद्र सरकार ने कुछ राज्यों में 21वीं किस्त पहले ही जारी कर दी है। 26 सितंबर 2025 को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के किसानों को ये किस्त दी गई, क्योंकि इन राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अग्रिम राहत दी गई थी। इसके अलावा 7 अक्टूबर 2025 को जम्मू-कश्मीर के किसानों को भी ये किस्त मिल चुकी है।

पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है।

PM-किसान योजना 2019 में शुरू हुई थी PM-Kisan योजना फरवरी 2019 में शुरू हुई थी। इसके तहत पात्र किसानों को हर साल 6,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है, जो तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए भेजी जाती है। अभी देशभर में 10 करोड़ से ज्यादा किसान इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

दिल्ली में 20 नवंबर को होगी कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की बैठक

अजीत डोभाल करेंगे मेजबानी

नई दिल्ली

नई दिल्ली में हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने वाले कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की सातवीं बैठक 20 नवंबर को होगी। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी करेंगे।

इस बैठक में मालदीव, मॉरीशस, श्रीलंका और बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल होंगे। सेशेल्स इस बार पर्यवेक्षक देश के तौर पर हिस्सा लेगा, जबकि मलेशिया को विशेष अतिथि के रूप में न्योता दिया गया है। इससे पहले छठी बैठक दिसंबर 2023 में मॉरीशस में हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में श्रीलंका में सभी सदस्य देशों ने कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के औपचारिक संस्थापक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। इन देशों के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी लगातार संपर्क में रहते हैं और उनकी आखिरी बैठक जुलाई 2024 में ऑनलाइन हुई थी।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की शुरुआत इस मकसद से हुई थी कि हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे पर सभी देश मिलकर काम करें। इस बार की बैठक में सदस्य देश पिछले ढाई साल में किए गए कामों की समीक्षा करेंगे और आगे की

दिशा तय करेंगे। चर्चा के मुख्य विषय समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद और उग्रवाद से मुकाबला, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध पर रोक, साइबर सुरक्षा, बिजली-पानी-पोर्ट जैसे अहम ढांचे की सुरक्षा, और प्राकृतिक आपदाओं में एक-दूसरे की तुरंत मदद करना रहेंगे। साथ ही 2026 के लिए नई कार्ययोजना और रोडमैप को मंजूरी दी जाएगी। भारत इस समूह में सबसे बड़ा और सक्रिय सदस्य है और लगातार कोशिश कर रहा है कि हिंद महासागर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पड़ोसी और द्वीपीय देश एक मजबूत मंच पर साथ आएं। गुरुवार की बैठक से इस दिशा में एक और ठोस कदम बढ़ने की उम्मीद है।

एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक.............अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा

कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया

नई दिल्ली

देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चल रहा है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक होने पर अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा। आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर यह बयान दिया।

मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी बैठकों में मौजूद थे। बंगाल में 18 नवंबर की शाम 6 बजे तक 7.63 करोड़ गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। कुल 1.09 करोड़ फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं। दूसरी तरफ, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश में एक-एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आत्महत्या कर चुके हैं। पश्चिम बंगाल में एक बीएलओ ने आत्महत्या की धमकी दी है। मंगलवार को तमिलनाडु के तंजावुर में एक आंगनवाड़ी सेविका ने जान देने की कोशिश की। इनके परिवारों और अन्य अधिकारियों ने अत्यधिक काम के दबाव का आरोप लगाया है।

कई बीएलओ का आरोप है कि काम के लंबे घंटे और दिसंबर तक की डेडलाइन ने उन्हें थककर चूर कर दिया है। कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया है। आयोग अब अधिकारियों के कार्यभार और जवाबदेही को लेकर सवालों का सामना कर रहा है।

थाईलैंड से लाए गए 125 भारतीय, घोटालेबाजों के चक्कर में फंस पहुंचे थे म्यांमार

बैंकॉक

125 भारतीय नागरिकों को इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) का विशेष विमान बुधवार को थाईलैंड के माई सौत से लेकर स्वदेश पहुंचा। ये लोग म्यांमार के साइबर ठगी केंद्र से भागकर थाईलैंड पहुंचे थे। बैंकॉक, 19 नवंबर (आईएएनएस)। 125 भारतीय नागरिकों को इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) का विशेष विमान बुधवार को थाईलैंड के माई सौत से लेकर स्वदेश पहुंचा। ये लोग म्यांमार के साइबर ठगी केंद्र से भागकर थाईलैंड पहुंचे थे। ये लोग म्यांमार के साइबर ठगी केंद्र म्यावाडी से भागकर थाईलैंड पहुंचे थे। थाई अधिकारियों ने इन पर जुर्माना लगाया और कई सामान जब्त किए। इसके साथ ही भारत सरकार 1500 लोगों को वहां से निकालने में कामयाब हुई है। बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी।

दक्षिण-पूर्व एशिया स्थित घोटाला केंद्रों में फंसे भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के भारत सरकार के प्रयासों के तहत, बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास और थाईलैंड के चियांग माई प्रांत स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी को सुगम बनाने के लिए थाई सरकार और टाक प्रांत की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया है। बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट के जरिए उन लोगों को आगाह किया जो ऐसे घोटालेबाजों के चंगुल में फंस जाते हैं। पोस्ट में लिखा, भारतीय नागरिकों को विदेश में नौकरी की पेशकश स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की साख और भर्ती एजेंटों के साथ ही कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करने की सख्त सलाह दी जाती है। मंगलवार को ही 11 महिलाओं समेत 269 भारतीय नागरिकों को मे सौत से स्वदेश लाया गया था। इन्हें भी भारतीय वायुसेना के दो विशेष विमान लेकर आए थे।

नीतीश कुमार जेडीयू तो सम्राट चौधरी बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए

▸▸ आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे नीतीश, पीएम मोदी होंगे समारोह में शामिल

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। बैठकों का दौर जारी है। इसी क्रम में बुधवार को पटना में बीजेपी और जदयू की अहम बैठकें हुई। जेडीयू ने बुधवार को सीएम हाउस में हुई बैठक में नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुन लिया।

इसके साथ ही बीजेपी की ओर से बुधवार सुबह पटना स्थित पार्टी कार्यालय में विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से सम्राट चौधरी को विधायक दल

का नेता चुना गया, जबकि विजय सिन्हा को विधानमंडल दल का उपनेता चुना। नीतीश कुमार के गुरुवार सुबह 11:30 बजे गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के मुताबिक इस समारोह में पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता और कई राज्यों के सीएम भी मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 202 सीटें मिली हैं। बीजेपी ने 89 सीटों पर जीत हासिल की है। दूसरे नंबर पर नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 85 सीटें मिली हैं। वहीं, चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति (आर) का स्ट्राइक रेट भी बेहतर रहा। पार्टी ने 19 पर जीत दर्ज की है, जो एनडीए में तीसरे नंबर की सबसे बड़ी पार्टी और पूरे बिहार में चौथे नंबर की पार्टी रही।

कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी: एसआईआर का करेगी विरोध

रामलीला मैदान में होगी विशाल रैली

नई दिल्ली

भले ही कांग्रेस को बिहार में करारी हार मिली है लेकिन वो चुनौतियों से टकराने से पीछे नहीं हट रही है। लगातार संघर्ष कर रही है। इसके साथ ही कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ आरपार की लड़ाई का ऐलान किया है। कांग्रेस ने फैसला किया है कि दिसंबर में दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जाएगी। यह फैसला इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठक में लिया गया। जहां कांग्रेस ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि एसआईआर में निशाना बनाकर लोगों के नाम काटे जा रहे हैं और चुनाव आयोग ने जैसी नीति बिहार में अपनाई, वही बाकी राज्यों में भी दोहराई जाएगी। पवन खेड़ा ने याद दिलाया कि कांग्रेस बिहार चुनाव के पहले से ही एसआईआर को लेकर सवाल उठा रही है और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा भी निकाली गई थी।

उन्होंने कहा कि एसआईआर के बारे में सुप्रीम कोर्ट के पांच आदेश आए और पांचों ही चुनाव आयोग के खिलाफ रहे, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग की बदनीयती को स्पष्ट रूप से देखा। उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस पार्टी ने देशभर में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया, जिसमें पांच करोड़ से अधिक हस्ताक्षर एकत्र किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर वोटर का अधिकार छीना जाएगा तो हम सब आवाज उठाएंगे और यह हमारा कर्तव्य है।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया वाले 12 राज्यों से संबंधित सीडब्ल्यूसी सदस्यों, प्रदेश अध्यक्षों, विधायक दल के नेताओं, महासचिवों, प्रभारियों और प्रभारी सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक के उपरांत कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और

पार्टी के मीडिया एवं पब्लिसिटी के चेयरमैन पवन खेड़ा ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि दिसंबर के पहले सप्ताह में रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ विशाल रैली कर चुनाव आयोग के राजनीतिकरण का पर्दाफाश किया जाएगा।

जब डॉक्टर ही निकले जूता- बम विस्फोट के आतंकी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इस काम के लिए ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाड़ियां शामिल की गई थीं। पुलिस की जांच एजेंसियों को अब तक 3 कारें बरामद हो चुकी हैं,जबकि चौथी चौथी स्विफ्ट डिजायर की तलाश है।

बीती 10 नवंबर को जिस आई20 कार में जूता- बम धमाका हुआ था, वह इसी सीरियल रिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।यह विस्फोट जूता बम से किया गया,यह एनआईए की चल रही जांच में खुलासा हुआ है। जूता -बम बेहद खतरनाक माना जाता है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली कार ब्लास्ट को आतंकी हमला माना है। केंद्रीय कैबिनेट मीटिंग में टेरर अटैक पर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पुलिस ने हरियाणा के खंदावली गांव से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। यहीं से इको स्पोर्ट्स कार बरामद हुई है।पुलिस ने आशंका जताई कि दिल्ली धमाके में शामिल आतंकियों के पास एक नहीं, बल्कि दो कारें थीं। जिसकी तलाश के लिए दिल्ली के साथ पड़ोसी राज्यों यूपी और हरियाणा में अलर्ट जारी किया गया था। इसके बाद हरियाणा के खंदावली गांव में लावारिस गाड़ी होने की खबर सामने आई।

इस गाड़ी की जांच के लिए एनएसजी बॉम्ब स्क्वाड की टीम पहुंची है। गाड़ी अभी तक पूरी तरह से खोली नहीं गई है। गाड़ी जहां मिली, वह उमर के ड्राइवर की बहन का घर था।दिल्ली ब्लास्ट मामले में पुलिस का मानना है कि आतंकियों द्वारा बीती जनवरी में लाल किले की रेकी की गई थी।यानि दिल्ली को दहलाने की साजिश जनवरी से रची जा रही थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के मोबाइल डंप डेटा से पता चला कि फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी और धमाके में कथित रूप से मारे गए डॉ. उमर नबी ने जनवरी में कई बार लाल किले की रेकी की थी। दोनों ने वहां की सुरक्षा-और भीड़ का पैटर्न समझा था। पुलिस को शक है कि आतंकियों की प्लानिंग 26 जनवरी पर लाल किले पर हमले की थी, जो उस समय नाकाम हो गई थी।साथ ही दिल्ली में 6 दिसंबर को आतंकियों का हमले करने का प्लान था , लेकिन मुजम्मिल की गिरफ्तारी से उनका प्लान बिगड़ गया। यह बात 8 आरोपियों से पूछताछ में भी सामने आई हैं। इस अंतरराज्यीय मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद में था। गिरफ्तार आतंकियों में 6 डॉक्टर हैं। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है,जो डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है,वह अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ा रहा था।इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।वही गनी नामक आतंकी खाद की बोरी बताकर विस्फोटक जुटा रहा था ।फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर रहा कश्मीरी डॉ. मुजम्मिल गनी खाद की बोरियां बताकर किराए के कमरे में विस्फोटक सामग्री जमा कर रहा था। 20 दिन पहले मुजम्मिल कमरे में कुछ बोरियां रखने आया था, तब पड़ोसियों ने उससे पूछा था कि इसमें क्या है? जवाब में मुजम्मिल ने कहा था कि ये खाद के कट्टे हैं। इन्हें कश्मीर ले जाना है।पुलिस ने विस्फोटक रखे कमरे से 100 मीटर दूर एक मकान में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जब्त कर ली हैं।दिल्ली कार ब्लास्ट केस में एटीएस ने कानपुर के कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉक्टर आरिफ को भी गिरफ्तार किया है। उसका कनेक्शन मारे गए आतंकी डॉक्टर उमर और उसकी सहयोगी लेडी टेररिस्ट डॉ. शाहीन से मिला है। आरिफ दोनों लोगों के संपर्क में था। जांच में यह भी सामने आया कि शाहीन और आरिफ के बीच हर रोज बात होती थी।जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सोपोर के मूमिनाबाद इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान दो हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान शबीर नजार और शबीर मीर के रूप में हुई है।कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, आतंकियों के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और सुरक्षाबल यह पता लगाने में जुटे हैं कि दोनों की आतंकी नेटवर्क से कितनी गहरी संलिप्तता थी

पुलिस ने हरियाणा के खंदावली गांव से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। यहीं से इको स्पोर्ट्स कार बरामद हुई है।वही दिल्ली कार ब्लास्ट केस में एटीएस ने कानपुर के कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉक्टर आरिफ को अरेस्ट किया है। उसका कनेक्शन मारे गए आतंकी डॉक्टर उमर और उसकी सहयोगी लेडी टेररिस्ट डॉ. शाहीन से मिला है। आरिफ दोनों लोगों के संपर्क में था। जांच में यह भी सामने आया कि शाहीन और आरिफ के बीच हर रोज बात होती थी।

पुलवामा और शोपियां जिलों में छापेमारी जारी लाल किले के पास हुए धमाके के बाद घाटी में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा अभियान शुरू किया है। बारामूला, पुलवामा और शोपियां जिलों में कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई उपद्रवी और कानून तोड़ने वाले तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए की गई हैपुलिस के अनुसार, छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया और कानूनी तौर पर बाउंड डाउन किया गया। इसके अलावा, 22 ओवरग्राउंड वर्कर्स के ठिकानों पर तलाशी ली गई, जिनमें से 20 को चेतावनी देकर छोड़ा गया और दो को हिरासत में लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। सोपोर के मूमिनाबाद इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान दो हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान शबीर नजार और शबीर मीर के रूप में हुई है।

कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, आतंकियों के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और सुरक्षाबल यह पता लगाने में जुटे हैं कि दोनों की आतंकी नेटवर्क से कितनी गहरी संलिप्तता थी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हाई लेवल की मीटिंग हुई। जिसमें दिल्ली पुलिस, एनआईए और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसी तरह जम्मू रेलवे स्टेशन पर सर्च ऑपरेशन किया गया जम्मू रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने संयुक्त रूप से बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई।गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट के दोषियों को ऐसी सख्त सजा दी जाएगी, जिससे दुनिया को संदेश मिले कि भारत में ऐसा करने की हिम्मत कोई दोबारा न करे।उन्होंने ब्लास्ट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी जताई।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि आतंकवाद के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलेगी, और यह संकल्प जरूर पूरा होगा। 24 घंटे के भीतर जम्मू-कश्मीर के रहने वाले दो डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। हापुड़ के मेडिकल कॉलेज से गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर फारुख को उसके हॉस्टल से पुलिस ने उठाया। फारुख ने फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल शकील के साथ पढ़ाई की है। मुजम्मिल के पास भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ था। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट से पहले उमर से सम्बंधित 6 सीसीटीवी भी सामने आए हैं। इसमें उमर 17 घंटे पहले हरियाणा के नूंह में दिखा,पुलिस को शक है कि उसने यहीं से विस्फोटक कार में रखे। कांग्रेस ने दिल्ली धमाके के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि जब उसकी नीति आतंकवाद पर 'जीरो टॉलरेंस' की है, तो 2,900 किलो विस्फोटक फरीदाबाद तक कैसे पहुंच गया।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ. उमर उन नबी, डॉ. मुझम्मिल गनई और डॉ. शहीन शाहिद ने स्विट्जरलैंड के 'थ्रीमा' नाम के एन्क्रिप्टेड ऐप से बातचीत की थी। इसी ऐप के जरिए वे धमाके की पूरी योजना, नक्शे और दस्तावेज साझा कर रहे थे।थ्रीमा ऐप फोन नंबर या ईमेल के बिना काम करता है और हर यूजर को एक यूनिक आईडी देता है, जिससे उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। पुलिस को शक है कि आरोपियों ने अपना निजी सर्वर तैयार कर रखा था, जिस पर वे सुरक्षित तरीके से संवाद करते थे।सरकार ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के सभी रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच (ऑडिट) कराने का फैसला किया है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद यह यूनिवर्सिटी जांच के घेरे में है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने अन्य एजेंसियों को भी अल फलाह यूनिवर्सिटी के पैसों के लेन-देन (मनी ट्रेल) की जांच करने के निर्देश दिए हैं।दिल्ली पुलिस ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के एच आर विभाग से जमील को गिरफ्तार किया है। जमील जम्मू-कश्मीर के पुलवामा का रहने वाला है। उस पर आतंकियों का सहयोग करने का आरोप है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।पुलिस ने 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर डॉ. उमर नबी के आखिरी 24 घंटे की पूरी मूवमेंट ट्रैक की।

संपादकीय

नाबालिगों के अपराध

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए।

बच्चों के अधिकार- दुनिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(विश्व बाल दिवस (20 नवम्बर) पर विशेष)

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो

गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके और बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, ''भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, ''सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी

उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है''

विचार मंथन

अनादि काल से है आतंकवाद, कभी खत्म नहीं होगा

(लेखक- सनत जैन)

नक्सलवाद के खिलाफ जंग जीतने का दावा भारत सरकार कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बार-बार कहा जा रहा है कि नक्सलवाद को 2026 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा। सरकार द्वारा नक्सलवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई भी की जा रही है। सरकार की इस कार्रवाई से सैकड़ों नक्सलवादी मारे गए हैं और हजारों नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इस तरह से कुछ समय के लिए नक्सलवादियों से राहत जरूर मिल सकती है, लेकिन यह असंभव जैसा है कि आगे फिर कभी यह सिर नहीं उठाएगा। आतंकवाद कुछ समय के लिए नियंत्रित तो जरूर किया जा सकता है, लेकिन आतंकवाद सदा से पूरी तरह खत्म नहीं हुआ और ना कभी होगा। इतिहास गवाह है कि आतंकवाद हमेशा हर काल में देखने को मिला है। दरअसल जब लोगों की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती हैं या ज़रूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं तो ऐसी समय पर आतंकी घटनाएं बढ़ जाती हैं। इस आतंक के जरिए या तो सत्ता पर कब्जा किया जाता है या आतंक के बल पर अपनी निजी इच्छाओं और जीवन-यापन की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश की जाती है। इस कारण से समय-समय पर आतंकवाद पनपता रहा है और आगे भी बना रहेगा। इस कटु सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक नक्सलवाद की बात है तो बताते चलें, कि यह भारतीय कम्युनिस्ट आन्दोलन के फलस्वरूप उत्पन्न हुआ जो कि साम्यवादी क्रान्तिकारियों के आन्दोलन का अनौपचारिक नाम है। नक्सल या नक्सली शब्द की शुरुआत पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गाँव नक्सलबाड़ी से हुई। कम्यूनिस्ट नेता चारू मजूमदार और कानू सान्याल ने सन् 1967 में सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र आन्दोलन प्रारंभ किया। बताया गया कि मजूमदार चीन के कम्यूनिस्ट नेता माओत्से तुंग से प्रभावित थे, जिनका मानना था कि भारतीय श्रमिकों एवं किसानों की दुर्दशा के लिए सरकार की नीतियाँ उत्तरदायी हैं। इस न्यायहीन दमनकारी वर्चस्व को बदलने के लिए सशस्त्र क्रान्ति का रास्ता अपनाया गया। तभी से लगातार नक्सली हमले होते रहे। दंतेवाड़ा की झीरम घाटी में कई बड़े नक्सली हमले हुए। दर्जनों नेता और सैकड़ो लोग मारे गए। इससे हटकर जम्मू-कश्मीर में भी समय-समय पर आतंकवाद देखने को मिला। असम राज्य में भी एक समय पर आतंकवाद का बोलबाला था। जो आतंक से जुड़े थे वे बाद में सत्ता में आ गए।

इस प्रकार आतंकवाद देश के अंदर भी पनपता है और पड़ोसी देशों द्वारा भी आतंकवाद फैलाकर दूसरे देश में कब्जा करने या उसे कमजोर करने के लिए आतंकवाद का सहारा लिया जाता है। जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। इस स्थिति में सरकार कितने भी दावे क्यों न कर ले आतंकवाद को कभी खत्म नहीं किया जा सकता है। आतंकवाद को खत्म करने का एक ही रास्ता है। हमेशा संवाद कायम रहे। संवाद में प्रेम और जोड़ने की इच्छा शक्ति हो, तो आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन जब-जब संवाद कम होता है या उससे दूर भागा जाता है प्रेम के स्थान पर नफरत के साथ जब हम दूसरों के अधिकार और संपत्ति को हड़पना चाहते हैं तो ऐसी स्थिति में आतंकवादी घटनाएं बढ़ने लगती हैं। केंद्र सरकार जो दावा कर रही है, उसमें पलड़ा सरकार का भारी हो सकता है। बहुत हद तक आतंकवाद को नियंत्रित भी किया जा सकता है, लेकिन इस पर सतत निगरानी रखनी होगी। सरकार को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जिसे नक्सलवादी और आतंकी घटनाएं बढ़ती हैं उन घटनाओं को शुरुआत से ही नियंत्रित रखा जा सके। सरकार को सदैव सतर्क रहने की जरूरत है। आतंकवाद के खिलाफ जंग कभी समाप्त नहीं होगी, यह मानव जीवन के नेचर में हमेशा से विद्यमान है और आगे भी रहेगा। हां सरकार को यह जरूर देखना चाहिए कि नक्सलवाद और आतंकवाद जिन कारणों से पनपता है उन कारणों पर हमेशा ध्यान रखे। सरकार को सुरक्षा के साथ सतर्क रहने की जरूरत होती है। सरकार यदि इस जिम्मेदारी को पूरी करती है तो निश्चित रूप से आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है। सरकार ने अभी जो कार्रवाई की है वह सराहनीय है, सरकार को आगे भी ध्यान रखना होगा कि ऐसा कुछ ना हो जिससे आतंकी घटनाएं पुनः बढ़ने लगें। इसके लिए सतर्कता की जरूरत है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मिला-जुला असर

नई दिल्ली सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार सुबह देशभर में पेट्रोल और डीजल के नए रेट घोषित किए। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ब्रेंट क्रूड 65 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 60.65 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिससे भारतीय फ्यूल सेक्टर पर दबाव बढ़ा है। नोएडा में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 28 पैसे महंगा हुआ। वहीं, गाजियाबाद में पेट्रोल 45 पैसे और डीजल 52 पैसे सस्ता हुआ। गुरुग्राम में पेट्रोल 27 पैसे और डीजल 25 पैसे कम हुआ। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पिछले दिनों से पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। अप्रैल 2023 में टैक्स ढांचे में बदलाव के बाद से इन शहरों में लंबी स्थिरता कायम है।

बजाज ऑटो ने केटीएम में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली बजाज ऑटो लिमिटेड ने ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण 80 करोड़ यूरो का है और सभी यूरोपीय नियामकों की मंजूरी मिलने के बाद पूरा हुआ। अधिग्रहण के तहत बजाज ऑटो की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीएआईएच ने पीबीएजी के सभी 50,100 शेयर खरीद लिए हैं। पीबीएजी का नाम बदलकर बजाज आटो इंटरनेशनल हो ल्डिंग एजी कर दिया गया है, जबकि केटीएम की होल्डिंग कंपनी पीएमएजी का नाम बदलकर बजाज मो बि लटी एजी किया गया है। अब पीबीएजी, बीएआईएच की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है। इस सौदे के लिए कुल नौ नियामक मंजूरियों की आवश्यकता थी, जिनमें से आठ मंजूर हो चुकी थीं।

सैमसंग इंडिया की परिचालन आय एक लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन आय 11 प्रतिशत बढ़ाकर 1.11 लाख करोड़ कर दी। इससे पहले वित्त वर्ष 2023-24 में इसकी परिचालन आय 99,541.6 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने आरओसी को दी गई जानकारी में बताया कि परिचालन आय ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। कंपनी की कुल आय जिसमें अन्य आय शामिल है, पहले ही वित्त वर्ष 2023-24 में 1,06,283 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मोबाइल फोन व्यवसाय सैमसंग इंडिया की कुल आय में सबसे बड़ा योगदान देता है। कंपनी टैबलेट, टेलीविजन, घरेलू उपकरण और कंप्यूटर जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है। सैमसंग इंडिया ही उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की एकमात्र कंपनी है, जिसका कारोबार 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। एप्पल इंडिया का राजस्व 2024-25 में 18 फीसदी बढ़कर 79,378 करोड़ रुपए और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का 24,630.63 करोड़ रुपए रहा, जबकि उनका आकार सैमसंग से काफी छोटा है।

टेक्नो क्लीन एयर के शेयर 27 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट

निवेशकों को हर शेयर पर 108 रुपए का फायदा

नई दिल्ली

गाड़ियों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी टेक्नो क्लीन एयर ने बुधवार को शेयर बाजार में दमदार एंट्री की। कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस 397 रुपए के मुकाबले 27 फीसदी प्रीमियम के साथ एनएसई पर 505 रुपए और बीएसई पर 498 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुआ। मजबूत डेब्यू की वजह से रिटेल निवेशकों को हर शेयर पर करीब 108 रुपए का लाभ मिला, जबकि एक लॉट में यह मुनाफ़ा लगभग 3,996 रुपए तक पहुंच गया। कंपनी का यह बहुप्रतीक्षित आईपीओ 12 नवंबर को खुला और 14 नवंबर को बंद हुआ था। कुल 3,600 करोड़ रुपए के इस इश्यू में लगभग 9.07 करोड़ शेयरों की बिक्री की पेशकश की गई थी। यह पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल के तहत था, यानी इस इश्यू से कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश प्राप्त नहीं हुआ। मौजूदा शेयरधारकों ने ही अपने हिस्से की हिस्सेदारी बाजार में बेची।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनी की वैश्विक उपस्थिति, मजबूत ग्राहक आधार और ऑटो कंपोनेंट सेक्टर में बढ़ती मांग के चलते निवेशकों ने इस इश्यू में खास रुचि दिखाई। लिस्टिंग के पहले दिन ही मिले शानदार रिटर्न ने निवेशकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। यदि बाजार में यह सकारात्मक धारणा बनी रहती है, तो आने वाले दिनों में शेयर और मजबूती दिखा सकता है।

दिल्ली का खान मार्केट वैश्विक महंगे खुदरा स्थानों की सूची में गिरा

अब वैश्विक महंगे खुदरा क्षेत्रों की सूची में 24वें स्थान पर

नई दिल्ली दिल्ली का पॉश इलाका खान मार्केट अब वैश्विक महंगे खुदरा क्षेत्रों की सूची में 24वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल यह 23वें स्थान पर था। यहां वार्षिक किराया 223 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। एक रिपोर्ट के अनुसार लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट दुनिया का सबसे महंगा खुदरा इलाका बन गया है, जहां किराया 2,231 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। मिलान का वाया मोंटे नेपोलियन अब दूसरा सबसे महंगा क्षेत्र है। हांगकांग का सिम शा त्सुई चौथे स्थान पर है। इसके बाद पेरिस, टोक्यो, ज्यूरिख, सिडनी, सियोल और वियना के प्रमुख खुदरा इलाके शामिल हैं। गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट में किराया 25 फीसदी बढ़ा। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस और मुंबई के केम्प्स कॉर्नर में क्रमशः 14 और 10 फीसदी की वृद्धि हुई।

डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने के लिए भारत में लांच होगा आईडीपीआईसी

बैंकिंग सुरक्षा में आएगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) जैसी भूमिका निभाने वाली नई संस्था भारतीय डिजिटल भुगतान इंटेलिजेंस निगम (आईडीपीआईसी) देश में डिजिटल भुगतान परिदृश्य बदलने जा रही है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक अे धिकारी मुंबई में सीआईआई कार्यक्रम में कहा कि यह संस्था बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बीच रीयल-टाइम खुफिया जानकारी साझा कर ग्राहकों को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाएगी। आईडीपीआईसी में सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक इक्विटी हिस्सेदारी खरीदेंगे, जिसकी अधिकृत पूंजी 500 करोड़ और चुकता पूंजी 200 करोड़ रुपए होगी। परियोजना को भारतीय रिज़र्व बैंक ने मंजूरी दे दी है। आईडीपीआईसी के डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से छोटे व्यवसायों और एमएसएमई के लिए डेटा-आधारित रीयल-टाइम ऋण स्वीकृति संभव होगी। अे धिकारी ने बताया कि एसबीआई ने एमएसएमई ऋण के लिए बिजनेस रूल इंजन शुरू किया है, जो जीएसटी, आईटी रिटर्न और बैंक खाते के डेटा को एकीकृत कर 10-15 मिनट में ऋण स्वीकृति प्रदान करता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 513, निफ्टी 142 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 513.45 अंक बढ़कर 85,186.47 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 142.60 अंक ऊपर आकर 26,052.65 पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.97 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.16 फीसदी , निफ्टी कंजप्शन 0.40 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी एनर्जी 0.25 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 0.38 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 127.05 अंक की बढ़त के साथ 60,949.05 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.80 अंक नीचे आकर 18,075.95 पर रहा था।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टीसीएस, एचयूएल, सन फार्मा, टाइटन, एसबीआई, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा, बीईएल, भारती एयरटेल, एलएंडटी, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे जबकि मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और आईटीसी, ट्रेंट के शेयर नुकसान में रहे थे। जानकारों के अनुसार भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी की संभावना से भी आईटी शेयरों में तेजी रही है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 261.59 अंक की तेजी के साथ 84,934.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी50 52.15 अंक की बढ़त के साथ 25,962.20 के लेवल पर आ गया। एशिया के बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 0.67 फीसदी बढ़ा, चीन का सीएसई300 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, हांगकांग का हैंग सेंग 0.09 फीसदी ऊपर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.46 फीसदी गिर गया। बीते दिन अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट रही।

अमेरिका से 2.2 एमटी एलपीजी आयात करेगा भारत

ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की बड़ी पहल घर-घर पहुंचेगी किफायती गैस

नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका के साथ 2.2 मिलियन टन (एमटी) एलपीजी के लिए अपनी पहली दीर्घकालिक टर्म डील की है। यह समझौता वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। 2026 से लागू होने वाले इस करार के तहत देश की सरकारी तेल कंपनियां (ओएमसी) कुल एलपीजी आपूर्ति का लगभग 10 फीसदी अमेरिका से आयात करेंगी। अभी तक भारत का अमेरिका के साथ एलपीजी क्षेत्र में कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था। भारत अपनी घरेलू एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 फीसदी आयात पर निर्भर है। वर्तमान में 90 फीसदी तक एलपीजी संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सऊदी अरब और कुवैत जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका से आयात बढ़ने से भारत को सप्लाई स्त्रोतों में विविधता मिलेगी और पश्चिम एशिया पर निर्भरता में कमी आएगी। यह कदम विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण है जब हाल ही में ईरान-इज़राइल तनाव के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद होने का खतरा पैदा हो गया था, जिससे भारत की आपूर्ति बाधित हो सकती थी। आईसीआरए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार अमेरिका प्राकृतिक गैस तरल पदार्थों का बड़ा उत्पादक है और यह निर्णय भारत की दीर्घकालिक आपूर्ति सुरक्षा के अनुरूप है।

जियो ने पेश किया जियो जेमिनी प्रो प्लान

गूगल का नवीनतम जेमिनी-3 मॉडल 18 महीने तक मुफ्त

नई दिल्ली जियो ने अपनी कृत्रिम मेधा (एआई) पेशकश को और मजबूत करते हुए नया जियो जेमिनी प्रो प्लान लॉन्च किया है। इस प्लान के तहत गूगल का नवीनतम जेमिनी-3 मॉडल अब जियो के अनलिमिटेड 5जी डेटा प्लान ग्राहकों के लिए 18 महीने तक मुफ्त उपलब्ध होगा। जियो के अनुसार यह ऑफर माइजियो ऐप पर जाकर अभी दावा करें विकल्प के माध्यम से तुरंत सक्रिय किया जा सकता है। जियो जेमिनी प्रो प्लान की कीमत बाजार में 35,100 रुपए है। हालांकि, सभी पात्र जियो अनलिमिटेड 5जी ग्राहक इसे 18 महीने तक मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी ने इसे साल की सबसे बड़ी एआई छूट करार दिया है, जो ग्राहकों को गूगल के उन्नत एआई मॉडल का अनुभव देने का अवसर प्रदान करता है। गूगल ने जेमिनी-3 को अपने सबसे प्रबल मॉडल के रूप में पेश किया है। यह मॉडल उन्नत तर्कशक्ति, गहराई से विश्लेषण और सूक्ष्मताओं को समझने की क्षमता के लिए विकसित किया गया है। जेमिनी-3 अब एआई स्टूडियो, वर्टेक्स एआई और डेवलपर्स के लिए जेमिनी ऐप तथा नए एजेंटिक डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

टीआईए मंच आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप को देगा नई जानकारियां : गोयल

व्यवसायियों को नए बाजारों और निर्यात अवसरों की पहचान करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) मंच की शुरुआत की। इस मंच का उद्देश्य भारत के आयातक, निर्यातक, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को व्यापार संबंधी नवीनतम जानकारियां उपलब्ध कराना है। मंत्री ने कहा कि यह मंच निर्यातकों को भारत द्वारा अब तक किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की गहन जानकारी देगा। इससे व्यवसायियों को नए बाजारों और निर्यात अवसरों की पहचान करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य विभाग द्वारा विकसित यह मंच विभिन्न वैश्विक और राष्ट्रीय डेटाबेस को एकीकृत विश्लेषणात्मक मॉडल में जोड़ता है। मंच 270 से अधिक प्रकार के विश्लेषण प्रदान करता है, जिसमें बाजार अनुसंधान, क्षेत्रीय व्यापार विश्लेषण, प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति और निर्यात अवसर शामिल हैं। टीआईए प्लेटफॉर्म व्यापारियों को वास्तविक समय में इंटरैक्टिव डेटा प्रदान करता है।

इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) योजनाओं और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित रिपोर्ट शामिल हैं। यह व्यापार प्रवृत्तियों पर लगातार नजर रखने में सक्षम है।

वाणिज्य विभाग के कि आर्थिक सलाहकार ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है और उनके सुझावों के आधार पर इसे और विकसित किया जाएगा।

टीआईए एक केंद्रीकृत डिजिटल हब के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विकऔर द्विपक्षीय डेटाबेस को एकीकृत प्रणाली में समेकित करता है। इस मंच से छोटे और बड़े व्यवसायों को रणनीतिक और डेटा-आधारित निर्णय लेने में आसानी होगी, जिससे भारतीय व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की संभावना है।

रेलवे की नई नीति से सीमेंट सस्ता, घर बनाना हुआ आसान

सीमेंट की कीमतों में 30 से 50 रुपए तक हो सकती है कमी

नई दिल्ली

रेलवे ने सीमेंट ढुलाई का किराया घटाकर 90 पैसे प्रति टन प्रति किलोमीटर कर दिया है। इससे पुरानी वेट और डिस्टेंस स्लैब प्रणाली खत्म हो गई है, जो जटिल और महंगी थी। नई प्रणाली ग्रॉस टन किलोमीटर के हिसाब से काम करेगी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे सीमेंट की कीमतों में 30 से 50 रुपये तक कमी हो सकती है। सीमेंट के लिए 20 फीट लंबे, 8 गु णित 8.5 फीट आयाम वाले कंटेनर बनाए जाएंगे। प्रत्येक कंटेनर की क्षमता 26 टन (ग्रॉस 31 टन) होगी और लोड-अनलोडिंग में सिर्फ 25-30 मिनट लगेंगे। यह कंटेनर पॉल्यूशन फ्री होंगे और सीधे रेलवे और रोड तक आसानी से पहुंच सकेंगे। रेलवे शहरों के पास बल्क सीमेंट टर्मिनल बनाएगा। इन टर्मिनलों में ऑटोमैटिक लोडिंग-अनलोडिंग सिस्टम होगा। प्राइवेट कंपनियां या सीमेंट कंपनियां इन टर्मिनलों का निर्माण और संचालन कर सकेंगी। इससे कंटेनर मूवमेंट आसान होगा और समय व लागत की बचत होगी। नई नीति के तहत सीमेंट अब बोरियों में नहीं, बल्कि सीधे कंटेनर में भरा जाएगा। इससे लागत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और सीमेंट खराब होने की घटनाएं कम होंगी। सड़क मार्ग की तुलना में रेल मार्ग अधिक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल साबित होगा।

कई नए मॉडल बाजार में उतारेगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली

महंगी बाइक बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड कंपनी मिडलवेट मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है। 2025 के अंत से 2027 की शुरुआत तक बुलेट 650, हिमालयन 750 और फ्लाइंग फ्ली इलेक्ट्रिक सीरीज़ जैसे कई नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे। बुलेट 650 को ईआईसीएमए 2025 में प्रदर्शित किया गया था और इसे अब तक की सबसे शक्तिशाली बुलेट माना जा रहा है। इसमें 647.95सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 47 बीएचपी की पावर और 52.3 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। इसका डिज़ाइन क्लासिक बुलेट की पहचान को बरकरार रखते हुए आधुनिक परफॉर्मेंस के साथ अपग्रेड किया गया है।

कंपनी इसे भारत में अपने फ्लैगशिप मॉडल के रूप में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हिमालयन 750 को एडवेंचर बाजार में प्रीमियम विकल्प के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें 750सीसी का ऑयल-कूल्ड ट्विन इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 50एचपी की पावर और 60एनएम का टॉर्क दे सकता है।

नया चेसिस, एडजस्टेबल सस्पेंशन और डिजिटल क्लस्टर जैसे फीचर्स इसे ग्लोबल एडीवी सेगमेंट के लिए तैयार बनाते हैं। इसका प्रोडक्शन वर्जन 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है।

इलेक्ट्रिक सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड फ्लाइंग फ्ली सीरीज़ उतारेगी। इसका पहला मॉडल फ्लाइंग फ्ली सी 6 होगा, जिसकी लॉन्चिंग 2025-26 की चौथी तिमाही में तय है।

खामिया मिलने पर ग्रैंड विटारा की 39,506 यूनिट्स रिकॉल

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय मिड-एसयूवी ग्रैंड विटारा की 39,506 यूनिट्स को रिकॉल किया है। मारुति सुजुकी कंपनी ने जानकारी दी है कि इन गाड़ियों में फ्यूल लेवल इंडिकेटर और वार्निंग लाइट से जुड़े यांत्रिक दोष पाए गए हैं, जिसके कारण ड्राइवर को यह सही ढंग से पता नहीं चल पाएगा कि टैंक में ईंधन कितना बचा है। यह खामी ड्राइविंग के दौरान खतरा पैदा कर सकती है, क्योंकि गलत जानकारी मिलने से वाहन अचानक फ्यूल-आउट स्थिति में पहुंच सकता है। यह समस्या उन मॉडलों में पाई गई है जो 9 दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच निर्मित हुए थे।

मारुति के अनुसार, स्पीडोमीटर असेंबली में मौजूद एक पार्ट सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, जिसकी वजह से फ्यूल वार्निंग लाइट और इंडिकेटर गलत संकेत दे सकते हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी को गंभीर मानते हुए कंपनी ने त्वरित कार्रवाई की है। प्रभावित ग्राहकों से मारुति सुजुकी सीधे संपर्क करेगी और उन्हें नजदीकी अधिकृत वर्कशॉप में फ्री इंस्पेक्शन के लिए बुलाया जाएगा। कंपनी दोषपूर्ण हिस्से को बिना किसी शुल्क के रिप्लेस करेगी। यह कदम दर्शाता है कि मारुति अपने ग्राहकों की सुरक्षा और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। रिकॉल के बावजूद ग्रैंड विटारा की बाजार में लोकप्रियता बरकरार है।

केवल 32 महीनों में इसकी तीन लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं, वहीं इसके हाइब्रिड वेरिएंट की एफवाय24-25 में बिक्री 43 प्रतिशत बढ़ी है। मारुति का मानना है कि भारतीय उपभोक्ता अब ज्यादा फ्यूल-इफिशिएंट और पर्यावरण अनुकूल तकनीक की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने हाल ही में 'ड्रीवेन बाय टेक' टीवी कैंपेन भी लॉन्च किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी रैंकिंग: रोहित शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग के नए अपडेट में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने रोहित शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में मैच जिताऊ शतक जड़ने के बाद मिशेल 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

कमर की चोट के कारण सीरीज से बाहर होने से पहले मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस पारी ने उन्हें अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक से आगे कर दिया है जिससे रैंकिंग में शीर्ष पर रोहित का 22 दिनों का संक्षिप्त दबदबा समाप्त हो गया। टर्नर 46 साल पहले नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाले आखिरी न्यूजीलैंडर थे, जबकि नाथन एस्टल, रॉस टेलर और केन विलियमसन जैसे अन्य गेंदबाज रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच गए हैं।

इस बीच पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके साथी मोहम्मद रिजवान और फखर जमान श्रृंखला में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुँच गए हैं। गेंदबाजी में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 9वां स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज़ हारिस राउफ 5 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के जेडन सील्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर) और रोस्टन चेज (12 स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

टेस्ट की बात करें तो बुमराह ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पांच विकेट सहित कुल छह विकेट लेकर टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी फायदा हुआ है, कुलदीप दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर और जडेजा चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने भी ईडन गार्डन्स में मैच विजयी 8 विकेट लेने के बाद 20 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान पर पहुंचकर महत्वपूर्ण लाभ कमाया। कम स्कोर वाले कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो (चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर) और महमूदुल हसन जॉय (19 स्थान ऊपर चढ़कर 74वें स्थान पर) ने अपने शतकों की बदौलत टीम को सिलहट में

आयरलैंड पर पारी की जीत दिलाने के बाद लाभ कमाया है। आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग 96वें से 80वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पुरुषों की टी20आई खिलाड़ी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन की वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम मैच में 45 रनों की पारी ने उन्हें आठ स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है। तेज गेंदबाज जैकब डफी तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मिशेल सैंटनर (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) और मोहम्मद नवाज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर) ने भी पुरुषों की टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में सुधार किया है।

लक्ष्य और प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

सिडनी(एजेंसी)। लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित 5 भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया। लक्ष्य का अगला मुकाबला ची यू जेन या वांग त्जु वेई से होगा जबकि प्रणय इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से भिड़ेंगे।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी और इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी ओपन में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाले आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। कर्नाटक के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी का सामना दूसरे दौर में जापान के चौथे वरीय कोडाई नाराओका से होगा। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

राष्ट्रीय खेल 2023 के स्वर्ण पदक विजेता मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। इस वर्ष के शुरू में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे श्रीकांत का अगला मुकाबला जापान के शोगो ओगावा या एडवर्ड लाउ से होगा।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। निशिमोतो ने पिछले सप्ताह जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन को हराया था। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया, टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

–फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नौवां शतक लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है।

रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था। रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे।

रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की हैं। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेंगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए यह बल्लेबाज एकदिवसीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं।

रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 का है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

अब दो से तीन दिन में टेस्ट समाप्त हुआ तो टीमों के अंक काट सकती है आईसीसी !

–विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में भेज सकती है अपने क्यूरेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस प्रकार से हाल में पिच या किसी अन्य कारण से कुछ टेस्ट मैच दो या तीन दिनों में ही समाप्त हो रहे है। उसे क्रिकेट की शीर्ष संस्था (आईसीसी) भी चिन्तित है। आईसीसी अब विचार कर रही है कि अब जो भी मैच कम दिनों में समाप्त होंगे उसमें टीमों के मैच अंक काटे जायें। वहीं ये बात चल रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में अब आईसीसी को अपने क्यूरेटर भेजने चाहिये। हाल में जिस प्रकार से सिडनी और अब कोलकाता में टेस्ट मैच तीन दिनों में समाप्त हुए हैं उसे टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है।

जनवरी 2025 में सिडनी की पिच बेहद ख़राब थी। बहुत वहीं जनवरी 2024 में केप टाउन का मैच दो दिनों में खत्म हो गया था। जो याद रहता है वह यह कि ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में जीत दर्ज कर सीरीज़ 3-1 से अपने नाम की, और भारत ने न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर ऑल आउट कर हराया। न्यूलैंड्स की पिच से आईसीसी संतुष्ट नहीं है। इसके बावजूद टीमें अपनी पसंद की पिचें तैयार करवाती रही हैं, जिससे पांच दिन के टेस्ट मुकाबले तीन दिनों में सिमट जाते हैं। घरेलू हालातों से होने वाले लाभ से किसी को कोई परेशानी नहीं है। यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है। टर्नर पिचों या हरे मैदानों से भी किसी को आपत्ति नहीं है पर टेस्ट मैच ढाई दिन में समाप्त होना किसी को भी पसंद नहीं है। हाल ही में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ रोमांचक इसलिए थी क्योंकि हर मैच पांचवें दिन तक गया। कम से कम मैच चौथे दिन तक तो पहुँचना ही चाहिए। यही खेल को 150 वर्षों से बनाए हुए है, और कोई इसे कम नहीं कर सकता। कुछ भी हो, मैच जीतने की चाह और टेस्ट को दो दिन में खत्म होने से बचाने के बीच संतुलन ज़रूरी है। क्यूरेटर्स को यह अधिकार होना चाहिए कि अगर उन पर दबाव डाला जा रहा हो तो वे अपनी बात रख सकें, और आईसीसी को आगे आकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तीन दिन से कम चलने वाले टेस्ट मैच टीमों के खिलाफ गिने जाएं। खासतौर पर डब्लयूटीसी में बेहतर क्यूरेटर होना चाहिए तभी टेस्ट मैचों का भविष्य रहेगा।

स्मिथ को लगी गेंद पर पहला टेस्ट खेलेंगे

पर्थ । एशेज क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम की धड़कनें तब बढ़ गयीं जब टेस्ट के लिए कप्तान बनाये गये स्टीव स्मिथ को एक गेंद लग गयी। स्मिथ को अभ्यास के दौरान ही कलाई में ये गेंद लगी थी। जिसके बाद फिजियो ने उनका इलाज किया। टीम ने तब राहत की सांस ली जब थोड़े समय बाद ही स्मिथ मैदान पर लौटे और बल्लेबाजी करते दिखे। ऐसे में माना जा रहा है कि शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में वह खेलेंगे। गौरतलब है कि स्मिथ एशेज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। उन्होंने 37 एशेज टेस्ट में 3,417 रन बनाए हैं, उनके 12 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल उन्होंने छह टेस्ट में 515 रन बनाए हैं और उनका औसत 51.50 रहा है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के घायल होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले एशेज टेस्ट में स्मिथ की कप्तानी में उतरेगी। कमिंस दूसरे टेस्ट में वापसी कर सकत हैं।

होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच में बनाये कई रिकार्ड, लारा की बराबरी की

नेपियर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसी मैच में शतकीय पारी खेलकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस पारी के साथ ही उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 19 एकदिवसीय शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। होप अब टेस्ट खेलने वाली हर टीम के खिलाफ शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। होप ने कठिन पिच पर बेहद संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 109 रन बनाये। अब वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ही ही 25 शतक लगाकर उनसे आगे हैं। यह शतक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनका पहला था, जिससे उन्होंने सभी टीमों के विरुद्ध शतक मारने की उपलब्धि पूरी कर ली। इस मुकाबले के दौरान शाई होप ने अपने 6000 एकदिवसीय रन पूरे किये। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज़ बल्लेबाज और दुनिया के 9वें बल्लेबाज हैं। इस मामले में पहले नंबर पर हाशिम अमला है जिन्होंने केवल 123 पारी में 6000 एकदिवसीय रन बनाये थे। विकेटकीपर कप्तान के तौर पर होप का यह छठा शतक है। ऐसा कर उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

विश्व कप का प्रभाव : हरमनप्रीत कौर का ब्रांड पोर्टफोलियो तीन गुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली । विश्व कप जीतने के बाद विभिन्न ब्रांड भारतीय महिला क्रिकेटरों में भी दिलचस्पी दिखाने लग गए हैं। इन खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं, जिनके विज्ञापन पोर्टफोलियो में आने वाले महीनों में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में नादिन डी क्लार्क का कैच लेकर भारत को दक्षिण अफ्रीका पर जीत दिलाने वाली हरमनप्रीत विश्व कप से पहले आठ से ज़्यादा ब्रांड से जुड़ी थीं लेकिन उनकी मैनेजर नूपुर कश्यप ने बताया कि अब यह बदलाव आ रहा है। कश्यप ने कहा, 'विश्व कप से पहले हरमनप्रीत आठ दस ब्रांड से जुड़ी थी लेकिन विश्व कप के बाद उनकी कीमत और ब्रांड की संख्या में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। गैर–खेल पारंपरिक क्षेत्र के ब्रांड उनसे संपर्क कर रहे हैं और उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं।' कश्यप ने कहा कि 2017 का फाइनल भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन आठ साल बाद खिताबी जीत ने खेल की लोकप्रियता और ब्रांड की रुचि को दूसरे स्तर पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों की बिजनेस मैनेजर होने के कारण मैंने देखा है कि विशेष कर विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट में रुचि और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले महिला खिलाड़ियों को कुछ ब्रांड तक सीमित रखा जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब हम मानसिकता में बहुत बदलाव देख रहे हैं।' कश्यप ने कहा, 'अब स्थिति बदल रही है और ब्रांड महिला क्रिकेटरों को मजबूत, सक्षम और निपुण खिलाड़ियों के रूप में प्रदर्शित करने के महत्व को पहचानने लगे हैं। ऐसा करके वे न केवल महिला एथलीटों के बारे में सोच बदल रहे हैं, बल्कि अधिक समावेशी और सहायक खेल संस्कृति में भी योगदान दे रहे हैं।'

भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम 8 मैच

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2026-27 सत्र के तीन मैच हार गयी है। दो बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस बार के चक्र में पहले 8 मैचों में से तीन मैच हार गयी है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और चार मैच जीते हैं। ऐसे में अब भारतीय टीम को आगे के बचे हुए 10 मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी भी 10 मैच हैं जिसमें वह हालात बदल सकती है इसमें अगर वह आठ मैच जीतती है तो फाइनल में पहुंच जाएगी पर इससे कम में उससे काफी मुश्किलें होंगी। अभी शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम अंक तालिका में 54 फीसदी के करीब मैच जीतकर चौथे स्थान पर है। वहीं डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए 64 से 68 फीसदी जीत हासिल करनी होगी। इससे साफ है कि टीम को अब अधिक से अधिक मैच जीतने होंगे।

अब एक हार भी टीम के लिए फाइनल की राह को कठिन बनाएगी। भारतीय टीम के बाकी बचे मैचों की बात करें तो अभी उसका एक मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होना शेष है, जबकि इसके बाद भारतीय टीम श्रीलंका में दो टेस्ट खेलने हैं और इतने ही टेस्ट मैचों न्यूजीलैंड में खेलेगी। इस प्रकार उसे 10 मैच खेलने हैं।

वहीं भारतीय टीम को घर पर ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होगी। इस उसके लिए जीत की राह आसन नहीं कही जा सकती है। अगर भारतीय टीम शेष बचे हुए 10 मैचों में से 8 मैच भी जीत जाती है तो फाइनल के लिए आसानी से क्वालीफाई कर जाएगा पर अगर उसे कम जीतती है तो उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। ऐसे में उसका फाइनल में जगह बनाना अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों का फीका प्रदर्शन, अफगानिस्तान से हारा भारत

बेंगलुरु । अफगानिस्तान ने बुधवार को यहां अंडर–19 त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में भारत बी को 71 रन से हरा दिया। भारत बी ने नमन पुष्पक (45 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी से अफगानिस्तान को 45.2 ओवर में 168 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से इशान सूद ने भी 24 रन पर दो विकेट चटकाए। अफगानिस्तान की तरफ से फैजल शिनोजादा (58 रन, 76 गेंद, सात चौके) ने अर्धशतक जड़ा जबकि अजीजुल्लाह मेखिल ने 42 रन की उम्दा पारी खेली जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इसके जवाब में भारत बी की टीम सलामी बल्लेबाज युवराज गोहिल की 80 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के से नाबाद 60 रन की पारी के बावजूद 29.3 ओवर में 97 रन पर ढेर हो गई। युवराज के अलावा भारत का कोई भी अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल अजीज ने 36 रन देकर छह विकेट चटकाए जबकि सलाम खान (18 रन पर दो विकेट) और वहीदुल्लाह जादरान (12 रन पर दो विकेट) ने दो–दो विकेट हासिल किए। इस जीत से अफगानिस्तान की टीम के भारत ए के समान चार अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह शीर्ष पर है। पहले मैच में भारत ए के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली भारत बी की टीम अंतिम स्थान पर है जिसे अपने अंकों का खाता खुलने का इंतजार है।

रबाडा का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध, किसी के बाहर रहने से फर्क नहीं

–जो भी उतरेगा उसे अपनी भूमिका पता है

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अभी तक अपनी पसलियों की चोट से नहीं उबरें हैं और ऐसे में उनका गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। रबाडा का कहना है कि वह या कोई अन्य खिलाड़ी बाहर भी बैठता है तो भी उनकी टीम की जीत की संभावनएं कम नहीं होती। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसमें जो भी खेलेगा वह टीम को जीत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बाद भी जीत की रहा तलाशने की क्षमताओं से बेहद प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उनके बिन भी पहले टेस्ट में में भारतीय टीम के के खिलाफ जीत दर्ज की थी। टीम की गेंदबाजी भी कहीं से कमजोर नहीं थी।

रबाडा ने एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका तलाश लेते हैं। कप्तान तेम्बा बावुमा ने पहले मैच में हमारे लिए अहम योगदान दिया है पर वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।' दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बावुमा के बिना भी पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई खिलाड़ी बाहर है। जो भी मैदान पर उतरेगा वह अपनी भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ईडन गार्डन्स के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने कहा, 'कोलाकाता में पहली पारी में एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा योगदान दिया।

रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने कहा, 'यह जीत निश्चित रूप से शीर्ष पर है।'

बीसीसीआईने ईडन गार्डन में आदर्श पिच बनाने को कहा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता में हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान की पिच की आलोचना से सबक लेते हुए गुवाहाटी में एक आदर्श पिच बनाने के निर्देश दिये हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बारसापारा में लाल मिट्टी की पिच रहेगी। वहीं कोलकाता में काली मिट्टी की पिच थी। लाल मिट्टी की पिचें लगातार उछाल देती हैं और जल्दी टूटती नहीं हैं। इससे साफ है कि इस पिच पर बाद में स्पिनरों को लाभ होगा। बीसीसीआई ने गुवाहाटी के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक को किस प्रकार की पिच बनानी है। इसकी जानकारी दे दी है। बोर्ड नहीं चाहता कि पहली बार टेस्ट का आयोजन कर रहे गुवाहाटी के साथ 'रैंक टर्नर' का तमगा जुड़ जाये। यही कारण है कि दूसरे टेस्ट में पिच से गति और उछाल मिलने की उम्मीद की जा रही है। अगर गेंद स्पिन भी करती है, तो भी वह गति और उछाल के साथ होगी। इससे बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान रहेगा। बीसीसीआई यह भी पक्का करना चाहता है कि पहले दिन से ही पिच में असमान उछाल न हो। ये सभी जानते हैं कि भारत में पिचें टूटती हैं और बल्लेबाज़ों को अनियमित उछाल के कारण परेशानी होती है। अब बोर्ड गुवाहाटी में कोलकाता जैसे हालात नहीं चाहता है। बरसापारा की पिच लाल मिट्टी से बनी है, जिससे तेज़ गति और उछाल मिलने की संभावना अधिक होती है। भारतीय टीम ने घरेलू सत्र से पहले ही अपनी माँगें स्पष्ट कर दी थीं। इसलिए, अगर पिच से उछाल मिलता है, तो वह तेज़ गति और उछाल के साथ घूमेगी। वहीं क्यूरेटर यह तय करने का प्रयास कर रहे हैं कि कोई ख़ास उतार–चढ़ाव वाला उछाल न हो।

मानसिक रूप से तरोताजा रहने में कैसे मिलती है मदद, शार्दुल ठाकुर ने बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने बुधवार को कहा कि घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है। शारदुल ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा कार्यक्रम की भी सराहना की जो लगातार दूसरे सत्र में दो चरण में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पहले इस प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना की थी जिसमें मैचों के बीच केवल तीन दिन का अंतराल होता था।

शारदुल ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की पुडुचेरी पर पारी और 122 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'इस पर हमेशा मिश्रित राय होगी लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। लगातार दस मैच खेलना शरीर के लिए कठिन होता है।' उन्होंने कहा, 'हमने यह भी देखा है कि ब्रिटेन में कार्यक्रम कैसा होता है। वे लगातार सात या आठ प्रथम श्रेणी मैच खेलते हैं और फिर ब्रेक के बाद खेलते हैं। वे बीच में कुछ सीमित ओवरों के मैच भी रखते हैं जिससे कि सभी मानसिक रूप से तरोताजा रहें।'

शारदुल ने कहा, 'वरना आप तीन महीने तक सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं और फिर अचानक सीमित ओवरों का क्रिकेट और फिर लाल गेंद का क्रिकेट पीछे छूट जाता है। इसलिए यह अच्छा है कि हम पांच मैच खेल रहे हैं और हमें थोड़ा ब्रेक मिल रहा है। फिर हम सीमित ओवरों का टूर्नामेंट खेलेंगे और फिर से लाल गेंद के क्रिकेट में उतरते हैं। इस तरह सभी लय में रहते हैं। वे दोनों प्रारूप के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहते हैं।'

आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियन्स से जुड़ने पर शारदुल ने कहा कि यह काफी समय से लंबित था। उन्होंने कहा, 'हर कोई अपने घरेलू स्थल और घरेलू मैदान पर खेलना पसंद करता है। मुझे लगता है कि यह कई वर्षों से लंबित था। लेकिन जब समय आएगा तभी यह संभव होगा। मुझे लगता है कि आखिरकार समय आ गया है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हथियार के साथ स्कूल में आए बदमाश, 25 लड़कियों को उठाकर ले गए; नाइजीरिया में क्या हो रहा?

अबुजा, एजेंसी। अफ्रीका के नाइजीरिया में एक चौंकाने वाली घटना ने सबको हैरान कर दिया है। देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक हाईस्कूल पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और 25 लड़कियों का अपहरण कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस स्कूल अपहरण कांड में एक कर्मचारी की गोलीबारी में मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तरी नाइजीरिया में बढ़ते अपहरणों के बीच यह घटना अभी किसी संगठन ने स्वीकार नहीं की है। पुलिस ने बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार सोमवार सुबह करीब चार बजे हुआ। हथियारबंद अपराधी अचानक छात्रावास में घुस आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कुछ ही मिनटों में उन्होंने 25 छात्राओं को उनके बिस्तरों से खींचकर ले लिया और जंगल की ओर फरार हो गए। घटनास्थल पर एक कर्मचारी को गोली लगने से तत्काल मौत हो गई, वहीं दूसरे घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि यह बोर्डिंग स्कूल केब्बी राज्य के डैंको-वासागु क्षेत्र के मागा गांव में है। उन्होंने कहा कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और अपहरण से पहले सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाई। फिलहाल, एक संयुक्त टास्क फोर्स संदिग्धों के भागने के रास्तों और आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान चला रही है।

जी20 में अमेरिका के शामिल न होने से द.अफ्रीका पर पड़ेगा असर

केप टाउन, एजेंसी। जी20 लीडर्स समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल न होने से मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह चेतावनी दी है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका सरकार पर श्वेत रंग के किसानों के खिलाफ जनसंहार का आरोप लगाते हुए सम्मेलन में भाग न लेने का एलान किया था। इसके बाद राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया कि 22-23 नवंबर को होने वाला जी20 समिट जारी रहेगा।

पीपीपी सांसद राजा फैसल बने पाक अधिकृत कश्मीर के नए पीएम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद राजा फैसल मुमताज राठौर को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का नया प्रधानमंत्री चुना गया है। सोमवार को तहरीक-ए-इंसाफ के मौजूदा प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव पीपीपी सांसद कासिम मजीद ने पेश किया था। राठौर ने पीपीपी के 27 और पीएमएल-एन के 9 सांसदों का समर्थन हासिल किया। 52 सदस्यों वाली सदन में यह चौथी बार है, जब 2021 में सरकार बनने के बाद किसी प्रधानमंत्री को बदला गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद करने वाले चीनी विद्वान सम्मानित

शंघाई, एजेंसी। चीन के शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने सोमवार को मशहूर चीनी विद्वान प्रो वांग झिचेंग को सम्मानित किया। माथुर ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, वांग ने चीनी भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद किया। उनका अनुवाद 2015 में प्रकाशित हुआ था। इसे 17 बार दोबारा छापा जा चुका है। माथुर ने आगे कहा कि इस साल प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता का नवीनतम चीनी संस्करण चीनी पाठकों में खासा पसंद किया गया।

पाकिस्तान के शीर्ष बैंक ने नकद डॉलर लेन-देन पर लगाई रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह (आउटफ्लो) को रोकने और पाकिस्तानी रुपया को गिरने से बचाने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले नकद डॉलर पर सीमा लगा दी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने बैंकों को निर्देश दिया है कि जिन ग्राहकों के पास विदेशी मुद्रा अकाउंट नहीं है, उन्हें डॉलर का कोई नकद भुगतान न करें। एसबीपी ने एक्सचेंज डीलरों को भी ग्राहकों को 500 अमेरिकी डॉलर तक ही देने का निर्देश दिया है।

वियतनाम में भूस्खलन की चपेट में आई बस छह लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के खतरनाक पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन एक बस मलबे में दब गई। घटना में 6 की मौत हो गई और 19 यल हो गए। अभी एक हफ्ते और भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार देर रात मध्य पर्वतीय क्षेत्र में खांह ले दर्रे से गुजर रही बस पर अचानक मलबा और पत्थर गिर पड़े। करीब 33 किमी लंबा यह घुमावदार मार्ग खड़ी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है।

गाजा के लिए अमेरिका की योजना को यूएन की मंजूरी, अंतरराष्ट्रीय बल की तैनाती का रास्ता साफ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी देकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की राह खोल दी है। ऐसे में अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी दे दी, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती और भविष्य में फलस्तीनी राज्य की संभावित राह का जिक्र है। हालांकि दूसरी ओर रूस और चीन ने मतदान से दूरी बनाई, जबकि 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। अमेरिका को उम्मीद थी कि बता दें कि दो साल से चल रहे इस्राइल-हमास युद्ध के बाद यह प्रस्ताव गाजा में जारी नाजुक युद्धविराम को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कई अरब और मुस्लिम देशों ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वे गाजा में सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल भेजने में तभी हिस्सा लेंगे, जब सुरक्षा परिषद से इसकी औपचारिक अनुमति मिल जाए।

अमेरिकी प्रस्ताव में क्या-क्या : ज्यादा रोचक बात ये है कि अमेरिकी प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 बिंदुओं वाली युद्धविराम योजना को समर्थन दिया गया है। इसके तहत 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम की एक अस्थायी प्राधिकरण का गठन होगा, जिसकी अगुवाई खुद ट्रंप करेंगे। यह बोर्ड और सुरक्षा बल गाजा की सीमाओं की निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के हथियारमुक्त जैसे व्यापक काम संभालेंगे। इन सबकी अनुमति 2027 के अंत तक लागू रहेगी।

फलस्तीनी राज्य पर मजबूत भाषा, अरब देशों की मांग के बाद बदलाव : इसके इतर लगभग दो हफ्तों तक चली बातचीत में अरब देशों और फलस्तीनियों ने अमेरिका पर दबाव डाला कि फ़लस्तीनी आत्मनिर्णय पर भाषा को और स्पष्ट और मजबूत बनाया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव में यह कहा गया कि जब फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) जरूरी सुधार कर लेगा और जब गाजा का पुनर्निर्माण आगे बढ़ेगा, तो फलस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य की ओर एक विश्वसनीय रास्ता तैयार हो सकता है। मामले में अमेरिका ने यह भी कहा कि वह इस्राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत शुरू करेगा ताकि शांतिपूर्ण और समृद्ध सह-अस्तित्व का राजनीतिक ढांचा बनाया जा सके।

फलस्तीनी राज्य को लेकर नेतन्याहू का विरोध जारी : इन प्रस्वातों से इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह फलस्तीनी राज्य की स्थापना का विरोध करेंगे। उनका तर्क है कि यह कदम हमास को इनाम देने जैसा होगा और आगे चलकर इस्राइल की सीमा पर एक और बड़ा हमास-नियंत्रित राज्य बन सकता है।

प्रस्वात को अरब देशों का समर्थन : गौरतलब है कि अमेरिका को प्रस्ताव पारित कराने में अरब और मुस्लिम देशों का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। कतर, मिस्र, यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्की ने एक संयुक्त बयान जारी कर प्रस्ताव को जल्दी अपनाने की अपील की थी। कुल 13 देशों ने इसके पक्ष में वोट दिया, जबकि रूस और चीन ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। किसी भी देश ने विपक्ष में वोट नहीं किया। अमेरिका ने इसे ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया।

क्या है प्रस्ताव में : इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स की तैनाती की इजाज यह फोर्स इजराइल, मिस्र और नई ट्रेंड फिलिस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा में सुरक्षा और सीमाओं की निगरानी करेगा। उग्रवादी संगठनों से हथियार सरेंडर करवाने में मदद करेगा। मानवीय सहायता की सुरक्षित आपूर्ति तय करेगा। 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम से एक अंतरिम प्रशासन का गठन यह व्यवस्था 2027 के अंत तक चलेगी। इसमें ट्रम्प के अध्यक्ष रहने की संभावना बताई गई है। प्रस्ताव में पहली बार यह भी बताया गया है कि अगर फिलिस्तीनी प्रशासन सुधार करता है और गाजा का पुनर्निर्माण तेजी से होता है, तो भविष्य में फिलिस्तीन को एक अलग देश के रूप में बनने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि इजराइल ने इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इस बीच रूस ने एक अलग प्रस्ताव रखा था, जिसमें टू स्टेट सॉल्यूशन की मांग की गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फोर्स या नए प्रशासन की तुरंत इजाजत नहीं थी। दूसरी तरफ, अमेरिका को कतर, मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई मुस्लिम देशों का समर्थन भी मिला।

फुटबाल विश्व कप देखने वालों अमेरिका जाने में होगी आसानी, ट्रंप ने 'फीफा पास' का किया अनवारण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए आने वाले विदेशी यात्रियों की वीजा प्रक्रिया तेज करने के लिए 'फीफा पास' नाम की नई पहल शुरू की है। इस सुविधा के तहत वे लोग, जिन्होंने फीफा से विश्व कप मैचों के टिकट खरीदे हैं, उन्हें वीजा इंटरव्यू के लिए जल्दी समय मिल सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो आम तौर पर कड़े आव्रजन रुख के लिए जाने जाते हैं, विश्व कप के लिए बढ़ रही दुनिया भर की यात्रा को देखते हुए यह व्यवस्था ला रहे हैं ताकि फुटबाल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका आने वालों को आसानी हो सके। व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले फीफा के अध्यक्ष फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफांटिनो सोमवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले। उन्होंने बताया कि यह सिस्टम- जिसका पूरा नाम- 'प्रायोरटाइज्ड अप्वाइंटमेंटस शेड्यूलिंग सिस्टम' - टिकटधारकों को एक खास 'फीफा पोर्टल' के जरिये वीजा अप्वाइंटमेंट को प्राथमिकता दिलाएगा। इंफांटिनो ने कहा, 'अगर आपके पास विश्व कप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए प्राथमिकता मिलेगी... आपने खुद कहा था, मिस्टर प्रेसिडेंट- अमेरिका दुनिया का स्वागत करता है।' फुटबाल प्रेमियों से ट्रंप ने की खास अपील इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फुटबाल विश्व कप के प्रेमियों से अपील की कि वे 'जितनी जल्दी हो सके' वीजा

के लिए आवेदन करें। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि विश्व कप से पहले दुनिया भर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में 400 से ज्यादा अतिरिक्त अधिकारी भेजे गए हैं ताकि बढ़ती मांग को संभाला जा सके। उनके मुताबिक, दुनिया के करीब 80% इलाकों में लोग 60 दिनों के भीतर वीजा इंटरव्यू पा सकते हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बदला जा सकता है मैच का स्थान इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि अगर उन्हें किसी शहर की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई, तो वे इंफांटिनो से कहेंगे कि वहां से मैच को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। उन्होंने यह टिप्पणी सिएटल को लेकर की, जहां नई मेयर के रूप में केटी विल्सन, जो एक प्रगतिशील एक्टिविस्ट हैं, हाल ही में चुनी गई हैं। सिएटल अगले साल अमेरिका के 11 मेजबान शहरों में से एक है।इंफांटिनो ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर दोहराया कि 'विश्व कप की सफलता के लिए सुरक्षा सबसे अहम है' और टिकट बिक्री देखकर यह साफ है कि लोग अमेरिका पर भरोसा कर रहे हैं।

व्हाट्सएप मैसेज में की राष्ट्रपति मादुरो की आलोचना, 65 वर्षीय महिला को सुनाई गई 30 साल जेल की सजा

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की एक अदालत ने एक महिला डॉक्टर को व्हाट्सएप ऑडियो संदेश में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार की आलोचना करने के लिए 30 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, 65 वर्षीय मार्गी ओरोज्को को 'देशद्रोह, घृणा भड़काने और षड्यंत्र' के लिए अधिकतम सजा सुनाई गई है, क्योंकि समुदाय के नेताओं ने उनके खिलाफ एक संदेश की शिकायत की थी, जिसे एक विश्वासघाती संदेश माना गया था।

अगस्त 2024 में गिरफ्तार की गई थी बुजुर्ग महिला : मामले में बुजुर्ग महिला मार्गी ओरोज्को को अगस्त 2024 में पश्चिमी शहर सैन जुआन डे कोलोन में गिरफ्तार किया गया था, जब मादुरो के पुनर्निर्वाचन के बाद वेनेजुएला संकट में था, जिसे विपक्ष और दर्जनों देशों ने धोखाधड़ी बताकर खारिज कर दिया था। उनके विवादित जीत के दावे के कारण विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप 2,400 गिरफ्तारियां हुईं, हालांकि अधिकांश को कुछ ही महीनों में रिहा कर दिया गया।

बुजुर्ग को महिला को दो बार पड़ा दिल का दौरा : इन विरोध प्रदर्शनों के बाद, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने समर्थकों से फासीवादियों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया, यह शब्द अक्सर विपक्षी सदस्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वेनेजुएला के जेईपी अधिकार एनजीओ के अनुसार, हिरासत में रहते हुए ओरोज्को को दो बार दिल का दौरा पड़ा है। वहीं एनजीओ फोरो पेनल का कहना है कि वेनेजुएला की जेलों में लगभग 882 राजनीतिक कैदी कैद हैं। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे, हालांकि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से बात करने की संभावना भी खुली रखी है। ट्रंप का आरोप है कि मादुरो की वजह से ड्रग्स और प्रवासियों की समस्या बढ़ी है। दूसरी ओर मादुरो ने भी कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं। इसी बीच अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड' कैरेबियन पहुंचा है और ड्रग्स ले जाने वाले संदिग्ध जहाजों पर हमले तेज हुए हैं।

ब्रिटेन में शरण नीति में बड़ा और सख्त बदलाव, अस्थायी शरण और वीजा पेनल्टी होगी लागू; नई नीति में क्या-क्या?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की शरण नीति में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए, कड़े नियम पेश किए हैं। इसके तहत अस्थायी शरण 20 साल तक सेटलमेंट की अवधि और अवैध लौटने वालों के लिए देशों पर वीजा पेनल्टी जैसी सख्त मेडिडास लागू होंगी। मामले में सरकार का कहना है कि इससे अवैध प्रवास रोका जाएगा और असली शरणार्थियों के लिए सुरक्षित, न्यायपूर्ण रास्ते खुलेंगे।

पीएम स्टार्मर ने इस मामले में कहा कि देश की मौजूदा शरण व्यवस्था अवैध रूप से आने वाले लोगों के लिए बड़ा आकर्षण बन गई है। इसे रोकने के लिए गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए कड़े सुधार पेश किए हैं।

पीएम स्टार्मर ने बड़े बदलावों पर दिया जोर : संसद में बयान से पहले जारी एक विस्तृत नीति दस्तावेज में स्टार्मर ने कई बड़े बदलावों की बात कही है, जैसे कि शरण पाने वालों को स्थायी निवास (सेटलमेंट) मिलने में अब 20 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं जो देश ब्रिटेन में अवैध तरीके से आए अपने नागरिकों को वापस नहीं लेते, उनके लिए वीजा पेनल्टी लगेगी। स्टार्मर ने कहा कि मौजूदा सिस्टम मानव तस्करी को बढ़ावा देता है और कई लोग, जो कानूनी तौर पर ब्रिटेन आते हैं, बाद में शरण लेने की कोशिश करने लगते हैं। उनके मुताबिक, अगर चैनल पार करके आने वालों की संख्या कम करनी है और शरण प्रणाली को न्यायपूर्ण बनाना है, तो कड़े नियम जरूरी हैं।

नई नीति में क्या-क्या : ऐसे में नई नीति के अनुसार शरण मिलने पर दर्जा अस्थायी होगा, जब तक कि व्यक्ति अपने देश लौटने के लिए सुरक्षित न हो जाए। जिन शरणार्थियों के पास संपत्ति है, उन्हें अपने रहने का कुछ खर्च खुद देना होगा। जब सिस्टम पर नियंत्रण स्थापित होगा, तब सुरक्षित और कानूनी रास्तों से सीमित संख्या में शरणार्थियों को आने की अनुमति दी जाएगी।

डेनमार्क जैसी मॉडल कैसे अपनाएगा ब्रिटेन : संसद में बयान देते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि यूके अब डेनमार्क जैसी सख्त मॉडल को अपनाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सिर्फ आने वालों की संख्या कम करना काफी नहीं है, जिन्हें रहने का अधिकार नहीं है उनकी वापसी भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में कुछ असफल शरण मांगने वालों को स्वैच्छिक रूप से सीरिया भेजा गया है। महमूद ने घोषणा की कि अंगोला, कांगो और नामीबिया को पहली बार वीज़ा पेनल्टी वाली सूची में रखा गया है। बाद में और देशों को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

क्या कहते है गृह मंत्रालय के आंकड़े : गौरतलब है कि गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 से अब तक चार लाख से ज्यादा लोग ब्रिटेन में शरण मांग चुके हैं, लेकिन अवैध रूप से आए लोगों को वापस भेजने की प्रक्रिया उसी गति से नहीं बढ़ी है। महमूद के अनुसार, इस समय एक लाख से अधिक लोग सरकारी खर्च पर शरण आवासों में रह रहे हैं।

ताइवान को लेकर चीन-जापान के बीच भारी तनाव

जापानी प्रधानमंत्री बोलीं- हमला हुआ तो सेना भेजेंग, चीनी राजदूत बोले- दखल देने वालों की गर्दन काट देंगे

बीजिंग/टोक्यो, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए बयान से चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ गया है। दरअसल साने ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब ओसाका में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- जापान की रक्षा करेंगे : बिगड़ते माहौल के बीच, रविवार को चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज जापान के कंट्रोल वाले सेनकाकू आइलैंड के पास दिखाई दिए थे। इसके बाद जापान के कोस्ट गार्ड ने उन्हें इलाके से बाहर किया था। अमेरिका ने क्लियर किया कि जापान-अमेरिका सुरक्षा समझौते के तहत अगर इन द्वीपों पर हमला होता है, तो अमेरिका जापान की रक्षा करेगा। वहीं, चीन के फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कुछ जापानी फिल्मों की रिलीज रोक दी है। चीनी सरकारी टीवी सीसीटीवी ने कहा कि यह घरेलू माहौल को देखते हुए यह फैसला सावधानी से लिया गया है।

चीनी मीडिया बोला- ताइवान मुद्दे में जापान बेवजह दखल दे रहा : चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। साथ ही, जापान में दुनिया में सबसे बड़ा अमेरिकी सेना का विदेशी ठिकाना भी मौजूद है। जापानी सरकार ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने को कहा है। जापान के कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि हाल के डिप्लोमेटिक विवादों के बाद चीनी मीडिया में जापान को लेकर माहौल खराब हुआ है, इसलिए यह नया सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। जापान के सुरक्षा अलर्ट में कहा गया है कि अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतें, अकेले ट्रैवल न करें, बच्चों के साथ बाहर जाते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध इंसान या ग्रुप को देखकर तुरंत दूर चले जाएं।

सऊदी अरब से बड़ी डील कर रहे ट्रंप को चीन की चिंता, कौन सा सीक्रेट लीक होने का है डर

वाशिंगटन, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वॉशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे। हम एफ-35 बेचेंगे।' उन्होंने कहा, 'वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं। यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का औपचारिक आश्वासन हो सकता है। साथ ही अमेरिका में निर्मित दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता शामिल है।

चिंता में भी है ट्रंप सरकार : तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि रिपब्लिकन प्रशासन यह नहीं चाहता कि इस लड़ाकू विमान के सौदे से इजरायल की उसके पड़ोसियों के बीच गुणात्मक सैन्य बढ़त कम हो।

खासतौर से ऐसे वक्त में जब ट्रंप अपनी गाजा शांति योजना की सफलता के लिए इजरायली समर्थन पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि एक और दीर्घकालिक चिंता यह भी है कि सौदे के बाद एफ-35 प्रौद्योगिकी चीन द्वारा चुराई जा सकती है या किसी तरह चीन को हस्तांतरित की जा सकती है। क्योंकि उसके संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। ट्रंप की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब वह सऊदी अरब और इजरायल को उनके आपसी संबंध सामान्य बनाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

'फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज' में सैन्य और राजनीतिक शक्ति केंद्र के वरिष्ठ निदेशक ब्रैडली बोमन ने कहा, 'उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप यह स्पष्ट कर देंगे कि पहला एफ-35 तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक सऊदी अरब इजरायल के साथ संबंध सामान्य नहीं कर लेता। वरना राष्ट्रपति अपनी ही पकड़ कम कर लेंगे।

शेख हसीना मामले में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न निष्पक्ष-न न्यायसंगत', मानवाधिकार संगठन की दो टूक

ढाका, एजेंसी। मानवाधिकार से जुड़े मामलों में सबसे अग्रणी संस्थाओं के तौर पर शुमार एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बांग्लादेश में शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले का विरोध किया है। ब्रिटेन आधारित इस संस्था ने कहा है कि हसीना और उनके कार्यकाल में गृह मंत्री की भूमिका निभाने वाले असदुज्जमां खान के खिलाफ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न तो निष्पक्ष थी और न ही न्यायसंगत थी। दूसरी तरफ हसीना की सजा को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मानवाधिकार एजेंसी- यूएनएचआरसी ने चिंता जताई है। यूएनएचआरसी ने इस मामले में तय प्रक्रिया, निष्पक्ष सुनवाई के मानकों पर जोर दिया और साथ ही मौत की सजा का पूर्ण विरोध किया है।

क्या है एमनेस्टी इंटरनेशनल का बयान : गौरतलब है कि बांग्लादेश में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और असदुज्जमां को मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी करार दिया गया। हालांकि, मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद जारी एक बयान में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- 'शेख हसीना को मौत की सजा सुनाने से 2024 के नरसंहार के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा।'

एजेंसी की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, 'जुलाई और अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए घोर उल्लंघनों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार लोगों की जांच की जानी चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई के जरिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हालांकि, न तो यह कार्यवाही और न ही सजा कहीं से भी निष्पक्ष और न्यायोचित है।' मानवाधिकार संगठन ने इस

मामले की जांच-सुनवाई की अभूतपूर्व गति का हवाला देते हुए शेख हसीना की ट्रायल के दौरान गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधिकरण का फैसला इस स्तर और जटिलता के मामले में निष्पक्ष जांच पर चिंता और संदेह पैदा करता है। बयान में आगे कहा गया, 'शेख हसीना का प्रतिनिधित्व अदालत की ओर से नियुक्त एक वकील ने किया था, फिर भी बचाव पक्ष को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। हसीना के खिलाफ अनुचित मुकदमे का संदेह उन रिपोर्ट्स से और भी बढ़ जाता है, जिनमें कहा गया है कि बचाव पक्ष को विरोधाभासी माने जाने वाले सबूतों पर जिरह करने की इजाजत नहीं दी गई।' एमनेस्टी के मुताबिक, यह निष्पक्ष सुनवाई नहीं थी। जुलाई 2024 को हुई हिंसा के पीड़ितों को बेहतर नतीजे मिलने थे। संस्था ने कहा कि उन पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए था, लेकिन मौत की सजा सीधे तौर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी सजा का विरोध किया : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने एक बयान में कहा कि शेख हसीना को सजा का फैसला पिछले साल के विरोध प्रदर्शनों के बीच दमन झेलने वाले पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने आगे कहा, 'हम इस मुकदमे को चलाए जाने क तरीकों से अवगत नहीं थे। लेकिन हम अंतरराष्ट्रीय अपराधों के आरोपों पर जवाबदेही की लगातार वकालत करते रहे हैं, ताकि वे बिना किसी विवाद के उचित प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा कर सकें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

वर्ल्ड रैंकिंग 2026 के टॉप 200 में भारत का एक भी इंस्टीट्यूट नहीं

नई दिल्ली

शिक्षा के क्षेत्र में भारत वैश्वक स्तर पर कहां खड़ा इसका जवाब क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में मिल सकता है। मंगलवार को जारी की गई क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स सस्टेनेबिलिटी 2026 में इंडियन इंस्टीट्यूट्स टॉप 200 में जगह बनाने में नाकाम रहे। हालांकि, ओवरऑल रैंकिंग में आईआईटी दिल्ली भारत में पहले स्थान पर रहा, उसके बाद आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी खड़गपुर का स्थान रहा। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स सस्टेनेबिलिटी 2026 में आईआईटी दिल्ली 83.1 अंकों के साथ ग्लोबल लेवल पर 205वें स्थान पर रहा। हालांकि, पिछले साल आईआईटी दिल्ली की रैंक 171वीं थी, जो इस बात का प्रमाण है कि दुनिया के बाकी इंस्टीट्यूट भारत के संस्थानों के काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी ने 100 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया है, जबकि टोरंटो यूनिवर्सिटी 99.8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन तीसरे स्थान पर रहा।

ग्लोबल हायर एजुकेशन एनालिटिक्स फर्म क्यूएस द्वारा हर साल जारी की जाने वाली क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग इस बात पर प्रकाश डालती है कि इंस्टीट्यूट रिसर्च, गवर्नेंस और कम्युनिटी इम्पैक्ट के जरिए एक अधिक सस्टेनेबल भविष्य में कैसे योगदान दे रहे हैं।यह रैंकिंग विश्वविद्यालयों के एनवायरनमेंटल, सोशल और गवर्नेंस इम्पैक्ट का आकलन करती है और दुनिया भर के लगभग 2,000 इंस्टीट्यूट्स का मूल्यांकन करती है। इस महीने की शुरुआत में, लंदन स्थित क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग ने एशिया के टॉप 100 इंस्टीट्यूट्स की लिस्ट जारी की थी।

4 नवंबर को जारी रैंकिंग के अनुसार, 5 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु और दिल्ली विश्वविद्यालय एशिया के टॉप 100 इंस्टीट्यूट में शामिल हैं।

आईआईटी-दिल्ली, आईआईटी-मद्रास, आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी-कानपुर और आईआईटी-खड़गपुर टॉप 100 एशियाई इंस्टीट्यूट की लिस्ट में शामिल थे।

क्यूएस ने एक बयान में कहा, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी एशिया रैंकिंग में सात भारतीय इंस्टीट्यूट टॉप 100 में, 20 टॉप 200 में और 66 टॉप 500 में जगह बनाए हुए हैं।

इसमें कहा गया है कि पिछले साल की तुलना में 36 भारतीय इंस्टीट्यट लिस्ट में ऊपर आए हैं, 16 इंस्टीट्यूट की रैंक में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि 105 इंस्टीट्यूट्स की रैंक नीचे खिसक गई हैं।

इंडियन इंस्टीट्यूट्स की रैंकिंग

- 1 रैंक 205 - आईआईटी दिल्ली,
- 2 रैंक 235 - आईआईटी बॉम्बे, 3 रैंक 236 - आईआईटी खड़गपुर
- 4 रैंक 241 - दिल्ली विश्वविद्यालय,
- 5 रैंक 305 - आईआईटी मद्रास
- 6 रैंक 310 - आईआईटी कानपुर
- 7 रैंक 352 - वेल्लोर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
- 8 रैंक 352 - आईआईटी रुड़की
- 9 रैंक 462 - आईआईएससी बेंगलुरु
- 10 रैंक 467 - मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन
- 11 रैंक 478 - अन्ना यूनिवर्सिटी

संक्षिप्त समाचार

एचएएल की योजना, पहले 8 तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलिवरी देगा

पहली खेप की डिलिवरी अगले 24-36 महीनों में कर दी जाएगी

नई दिल्ली हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) पहले 8 तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलिवरी देगा। जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) के साथ इंजनों की सप्लाई के लिए समझौता होने के बाद कंपनी की यह योजना सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार 8 तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) की पहली खेप की डिलिवरी अगले 24-36 महीनों में कर दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार इसके बाद इंजन की सप्लाई चेन तेज होने के साथ ही, आने वाले वर्षों बहुत ही तेजी के साथ उत्पादन शुरु होगा। सूत्रों के हवाले से बताया गया हैं कि शुरू में उत्पादन की गति धीमी होगी, लेकिन चौथे साल से इसमें बहुत ही तेजी आ जाएगी। एचएएल और जीई के बीच 7 नवंबर को हुए समझौते के अनुसार अमेरिकी इंजन कंपनी 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए के लिए 113 इंजन देगा। शुरुआत में उत्पादन की धीमी गति भी इंजन की सप्लाई की रफ्तार के ही हिसाब से है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का इंटरनल चार्ट बताता है कि बाद में यह वायु सेना को 24-24 फाइटर जेट की डिलिवरी तीन खेप में करेगा। यह डिलिवरी 37वें महीने, 49वें महीने और 61वें महीने में होगी। आखिर के 12 स्वदेशी फाइटर जेट की खेप 2031 के आखिर और 2032 के अंत के बीच होगी। इस गति से उत्पादन के लिए एचएएल की तीनों असेंबली लाइन पर काम चलेगा। 97 तेजस के लिए 113 इंजन मंगाए जाने के बारे में सूत्र ने बताया कि यह आगे की जरूरत को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, इंजनों की एक तय शेल्फ लाइफ होती है। बाद में उन्हें बदलने की जरूरत पड़ सकती है। इसी वजह से अभी 113 इंजनों का करार हुआ है।

सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में?

बैंकों में डिपॉजिट के स्थान पर नगदी सोना और चांदी रखें

मुंबई न्यूयॉर्क विश्व विद्यालय के प्रोफेसर अस्वथ दामोदरन के अनुसार सारी दुनिया अर्थव्यवस्था के बुरे दौर में जाने वाली है।उन्होंने चेतावनी दी है, जिस तरह के बदलाव पहली बार अर्थ व्यवस्था में देखने को मिल रहे हैं।ऐसी स्थिति में नगद पैसा अपने पास रखें। जिस तरह से मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है। ऐसी स्थिति में सोना या चांदी इस बुरे दौर में आपको आर्थिक रूप से सुरक्षित रख सकता है। वॉल स्ट्रीट के सबसे भरोसेमंद निवेश अर्थशास्त्री के रूप में दामोदरन की पहचान है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है, वर्तमान में जो भी डिपॉजिट और निवेश के साधन हैं, यह सुरक्षित नहीं रहे।ऐसी स्थिति में सोने और चांदी में निवेश ही वर्तमान में सबसे सुरक्षित है। उनका कहना है कि पैसिव इन्वेस्टिंग फंड्स और इंडेक्स फंड्स के दबदबे ने पारंपरिक डायवर्सिफिकेशन निवेश को एक तरह से खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, वह स्वयं पहली बार अपना पैसा कैश और फिजिकल असेट्स में निवेश कर रहे हैं। जिसमें सोना भी शामिल है। उनका मानना है कि 15 से 20 फ़ीसदी शेयर बाजार बढ़ने और ब्याज दरें स्थिर रहने के बाद भी शेयर बाजार और बैंक अब निवेश की दृष्टि से सुरक्षित नहीं रहे। वित्तीय संस्थाओं द्वारा जो आंकड़े बताये जा रहे हैं।वह वास्तविकता से बहुत दूर हैं उनका मानना है,बहुत जल्द वैश्विक अर्थव्यवस्था में कुछ बुरा होने वाला है।ऐसी स्थिति में नगद राशि और सोना-चांदी जैसी धातु ही आपके निवेश को सुरक्षित रख सकती है।

दिल्ली के स्कूल में खेल गतिविधि पर लगे रोक........प्रदूषण पर हर माह सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर का क्षेत्र इनदिनों धुए का चैंबर बने हुए है। इस लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में स्कूलों में होने वाले स्पोर्ट्सड कार्यक्रम पर रोक लगाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सीनियर वकील अपराजिता सिंह के सवाल पर दिया। सिंह ने कहा था कि, दिल्ली में मौजूदा वक्त में प्रदूषण के स्तर को देखकर इसतरह की खेल गतिविधि बच्चों को गैस चैंबर में डालने जैसा है। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के.विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया ने कहा कि, वे पॉल्यूशन को लेकर हर महीने सुनवाई करने वाले है। ताकि इसका स्थायी समाधान निकाला जा सके। इसके अलावा कोर्ट ने दिल्ली में ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता देने का भी आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता दी जाए। राज्य वायु प्रदूषण कम करने के लिए आवश्यक रोकथाम उपाय लागू करें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन उपायों की नियमित समीक्षा की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण से जुड़ा मामला हर महीने लिस्ट किया जाए, ताकि इसकी लगातार निगरानी की जा सके।

दिल्ली धमाका केसःमनी लॉन्ड्रिंग मामले में जवाद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है।

जवाद अहमद सिद्दीकी की भूमिका को लेकर कई साक्ष्य सामने आए हैं, जो उनके द्वारा पारिवारिक कार्यों में धन के हेरफेर और अपराध की आय को छुपाने के पैटर्न को स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। इन साक्ष्यों के आधार पर ईडी ने जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया। वहीं, इससे पहले नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (एनएएसी) ने यूनिवर्सिटी को फर्जी एक्रेडिटेशन क्लेम के लिए अल-फलाह यूनिवर्सिटी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके अलावा, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी यूनिवर्सिटी की फंडिंग को लेकर जांच शुरू की है।

यह गिरफ्तारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19 के तहत की गई। ईडी ने इस मामले में अपनी जांच की शुरुआत दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की ओर से दर्ज की गई दो एफआईआर के आधार पर की थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने छात्रों और अभिभावकों को धोखा देने के लिए धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से एनएएसी मान्यता का दावा किया था, जबकि विश्वविद्यालय को यूजीसी मान्यता प्राप्त नहीं थी।

ईडी की जांच में यह सामने आया कि अल-फलाह ट्रस्ट, जो 1995 में स्थापित हुआ था, के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों का अभाव था, लेकिन इसके बावजूद इसने 1990 के दशक से लेकर अब तक जबरदस्त विस्तार किया। जांच में यह भी पाया गया कि ट्रस्ट ने अपनी आय को पारिवारिक संस्थाओं में स्थानांतरित किया और इसके लिए निर्माण तथा खानपान के ठेके अपने परिवार के सदस्य संस्थाओं को दिए।

18 नवबंर को ईडी ने दिल्ली में 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें अल फलाह विश्वविद्यालय और ट्रस्ट से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों के आवासीय परिसर शामिल थे। तलाशी के दौरान ईडी को 48 लाख रुपए से अधिक की नकदी, डिजिटल उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले। इसके अलावा, ट्रस्ट की ओर चलाए जा रहे कई फर्जी कंपनियों का भी पता चला।

60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ इजराइल जा रहे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली

भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, इज़राइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के निमंत्रण पर 20 से 22 नवंबर, 2025 तक इज़राइल की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को और मज़बूत करना है।

केंद्रीय मंत्री गोयल के साथ 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल होगा, जिसमें सीआईआई, एफआईसीसीआई, एसोचैम और स्टार्टअप इंडिया का प्रतिनिधित्व शामिल है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री गोयल इजराइल के वाणिज्य मंत्री, बरकत और अन्य वरिष्ठ इज़राइली नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करने वाले है। चर्चा के मुख्य क्षेत्र व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देना। कृषि, जल, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, उन्नत विनिर्माण, और बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना। प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा करना।

केंद्रीय मंत्री गोयल इस फोरम को संबोधित करने वाले हैं, जिसका उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करना और संयुक्त उद्यम के अवसर खोजना है। सीईओ फोरम का चौथा संस्करण भी आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री कृषि, विलवणीकरण, अपशिष्ट जल उपचार, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट मोबिलिटी और बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है।

तेल अवीव में प्रमुख नवाचार केंद्रों और संस्थानों का दौरा भी कार्यक्रम में शामिल है। भारतीय प्रवासियों और भारतीय मूल के व्यापारिक नेताओं के साथ भी बातचीत की जाएगी। यह यात्रा भारत और इज़राइल के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को सुदृढ़ करने और सहयोग के नए रास्ते खोलने की उम्मीद है।

कर्पूरी ठाकुर की जन नायक उपाधि चुराने की कोशिश.........इस कारण हारी कांग्रेसः केसी त्यागी

पटना

जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने बताया कि बिहार चुनाव में कांग्रेस की हार का कारण राहुल गांधी पर दिवंगत कर्पूरी ठाकुर की जन नायक उपाधि हड़पने की कोशिश है।

केसी त्यागी के अनुसार, राहुल गांधी और कांग्रेस ने खुलकर समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर की जन नायक की उपाधि को हड़पने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को यह उपाधि उनके करीब 50 सालों के कार्यों के लिए सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों ने दी थी, और राहुल गांधी को जन नायक के तौर पर दिखाने की कांग्रेस की कोशिश से बिहार की जनता नाराज हुई, जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा (61 में से 6 सीटें जीतीं)। जेडीयू नेता त्यागी ने चेतावनी दी कि अगर कोई महात्मा गांधी की बापू या जयप्रकाश नारायण की लोक नायक उपाधि लेने की कोशिश करेगा, तब उसका भी यही हाल होगा। इतना ही नहीं जेडीयू नेता त्यागी ने ओबीसी के मुद्दे पर कांग्रेस के अतीत और वर्तमान प्रयासों पर भी सवाल खड़े कर दिए।

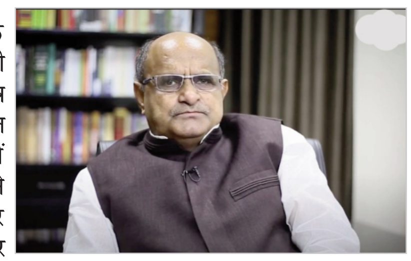

उन्होंने याद दिलाया कि 1978 में जब कर्पूरी ठाकुर सरकार ने मुंगेरी लाल आयोग की रिपोर्ट लागू कर ओबीसी, ईबीसी और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए आरक्षण लागू किया था, तब कांग्रेस ने इसका खुलकर विरोध किया था।

ट्रंप के भारत-पाकिस्तान जंग को रुकवाने का दांवा

कांग्रेस का पीएम मोदी पर हमला.....60 बार कर चुके दावा

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा, जब उन्होंने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध सहित आठ युद्ध रुकवा दिए हैं। इस पर कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट में लिखा कि वाशिंगटन में सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना दावा फिर दोहरा दिया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा बेशक, ट्रंप ने यह बात पहले सऊदी अरब के साथ-साथ कतर, मिस्र, ब्रिटेन, नीदरलैंड और जापान में भी कही है, इसके अलावा कई अन्य प्रेस वार्ताओं में कही है। अब तक ट्रंप इस बात को लेकर 60 बार दावें कर चुके है।

इस बीच ट्रंप ने कहा कि हमारी सरकार ने इस कार्यालय में बहुत अच्छा काम किया है। मैंने आठ युद्ध रुकवा दिए हैं। मुझे पुतिन के साथ एक और युद्ध लड़ना है। मुझे पुतिन पर थोड़ा आश्चर्य है। इसमें जितना मैंने सोचा था, उससे ज़्यादा समय लगा। लेकिन मैंने भारत और पाकिस्तान की जंग को रुकवा दिया।

बता दें कि ट्रंप लगातार दावा करते हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित बड़े पैमाने पर युद्ध को रोकने के लिए व्यापार शुल्क का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि उनके हस्तक्षेप से 24 घंटे के भीतर संघर्ष सुलझ गया, हालाँकि भारत ने इन दावों का खंडन किया है।

एनडीए की वापसी से बिहार में लोग खुश......उन्हें इस बात का सुकुन जंगल राज पार्ट 2 नहीं आया

बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने दिया बयान

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने बिहार में महागठबंधन पर निशाना साधकर दावा किया कि बिहार में सरकार गठन से पहले लोगों ने अपनी खुशी जाहिर की है और जंगल राज पार्ट 2 की वापसी न होने से निश्चिंत हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के राजनीतिक विरोधियों के पास कोई विकल्प नहीं है और इसकारण उन्होंने अपनी हार के लिए ईवीएम और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को ज़िम्मेदार माना है, जबकि एनडीए बदले में लोगों को जनादेश देने के लिए बधाई दे रहा है।

बीजेपी नेता हुसैन ने बताया कि बिहार में एनडीए की सरकार बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से, नीतीश कुमार के नेतृत्व में, एनडीए ने शानदार चुनाव लड़ा। और अब, एनडीए से पहले, भाजपा विधायक दल की बैठक होगी... और फिर एनडीए की बैठक होगी। उसमें नेता का चुनाव होगा। बिहार में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। जनता के मूड के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, लोग बहुत खुश हैं, अधिकत्तर लोग इसलिए खुश हैं क्योंकि उन्हें इस बात का सुकून है कि जंगलराज पार्ट 2 नहीं आया है, और हमारे विरोधियों के पास कोई विकल्प नहीं है। वे ईवीएम को दोष दे रहे हैं, महोदय, और हम जनता का शुक्रिया अदा करते हैं।

एनडीए विधायक दल के नेता नीतीश होने की उम्मीद है, जिन्होंने पहले बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, और गुरुवार को दसवीं बार शपथ लेने वाले हैं। गठबंधन के कई नेताओं ने 20 नवंबर को होने वाले ऐतिहासिक शपथ ग्रहण को लेकर उत्साह व्यक्त किया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होने वाले है।

एसआईआर के चलते 500 बांग्लादेशी भागे

पश्चिम बंगाल में मच रही भगदड़

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों में हड़कंप मचा हुआ है। वजह ये है कि एसआईआर को लेकर यहां गहन जांच पड़ताल चल रही है।इसके तहत घर-घर जाकर बूथ लेवल ऑफिस मतदाताओं की जानकारी ले रहे हैं। इसमें पूछा जा रहा है कि क्या आपका 2003 की वोटर लिस्ट में नाम था। यदि नहीं था तो फिर आपके परिवार के किन सदस्यों का नाम था। ऐसी तमाम जानकारियां हैं, जो संदिग्ध लोग नहीं दे पाएंगे। यही वजह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों में इसका खौफ देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल से आई जानकारी के मुताबिक एसआईआर के खौफ से 500 बांग्लादेशी भाग खड़े हुए हैं। इन लोगों ने बांग्लादेश छोड़ दिया है और किसी तरह सीमा पार कर गए हैं। बीएसएफ ने यह जानकारी दी है, जिसने इन लोगों को इंटरसेप्ट किया था।

बीएसएफ का कहना है कि सीमा पर पकड़े जाने वाले लोगों को एक प्रक्रिया के तहत वापस भेजा जाता है। पहले इन लोगों की पहचान स्पष्ट की जाती है। फिर इनका बेसिक डेटा जुटाया जाता है और बांग्लादेश के अपने समकक्ष अधिकारियों से बात करने के बाद बीएसएफ की ओर से इन्हें वापस भेजा जाता है।

सोमवार को ये लोग उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर के पास स्थित हाकिमपुर चेक पोस्ट से निकले हैं। बीएसएफ की 143वीं बटालियन ने इन लोगों के मूवमेंट को देखा तो संदेह होने पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। सूत्र के हवाले से लिखा है कि यह इस साल की सबसे बड़ी मूवमेंट है, जब इतनी संख्या में अवैध बांग्लादेशी भारत से निकले हैं। एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों को देश छोड़ते देखा जा रहा है। बीएसएफ के

अधिकारियों का कहना है कि इन 500 लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि वे अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। उनके पास कोई वीजा, पासपोर्ट या पहचान पत्र नहीं है।इनमें से कई लोगों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के बिराती, मध्यमग्राम, राजरहाट, न्यू टाउन और सॉल्ट लेक जैसे इलाकों में घरेलू सहायक, दिहाड़ी मजदूर और निर्माण कार्यों में लगे रहे हैं। ये इन इलाकों में सालों से रह रहे थे। इस महीने की शुरुआत में भी करीब 100 बांग्लादेशियों को बीएसएफ ने इंटरसेप्ट किया था, जो वापस लौटना चाह रहे थे।

माडवी हिडमा की मौत के बाद फिर मुठभेड़

मारेदुमिल्ली वन क्षेत्र में सात माओवादी मारे गए

नई दिल्ली

शीर्ष माओवादी कमांडर माडवी हिडमा के मारे जाने के एक दिन बाद, आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू (एएसआर) जिले के मारेदुमिल्ली के वन क्षेत्र में एक और मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। खुफिया एडीजी महेश चंद्र लड्डा ने बताया कि अब तक सात माओवादी मारे गए हैं।

उन्होंने बताया कि मृतकों में तीन महिला माओवादी शामिल हैं, हालांकि पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है। अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति की पहचान मेतुरी जोखा राव उर्फ शंकर के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि श्रीकाकुलम निवासी शंकर आंध्र ओडिशा सीमा (एओबी) का प्रभारी (एसीएम) था और तकनीकी चीजों, हथियार निर्माण, संचार में विशेषज्ञता रखता था। जानकारी के अनुसार, शंकर ने आंध्र-ओडिशा सीमा (एओबी) क्षेत्र के लिए क्षेत्र समिति सदस्य (एसीएम) के रूप में कार्य किया और तकनीकी संचालन, हथियार निर्माण और संचार में विशेषज्ञता हासिल की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनटीआर, कृष्णा, काकीनाडा, कोनासीमा और एलुरु जिलों में 50 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जो आंध्र प्रदेश के इतिहास में इस तरह की सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। सुरक्षा बलों ने 45 हथियार, 272 राउंड, दो मैगज़ीन, 750 ग्राम तार और अन्य सामग्री बरामद की। उन्होंने बताया कि पुलिस छत्तीसगढ़ से माओवादी गतिविधियों पर नज़र रख रही है और उनकी गतिविधियों और ठिकानों का पता लगाने के बाद यह नया अभियान शुरू किया गया है।